पटना ● बुधवार, 17 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः186 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत ... 3 www. bordernewsmirror.com किसी ने भी नहीं सोचा था... 8

पति को तलाक दिए बिना दूसरी शादी पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

● 6 महीने दूसरा पति जेल में रहेगा, उसके बाद महिला कैद में होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जुलाई को महिला और उसके दूसरे पति को 6-6 महीने जेल की सजा सुनाई है। महिला ने पहले पति से तलाक लिए बिना ही दूसरी शादी कर ली थी। पहले पति ने पत्नी, सास-ससुर और पत्नी के दूसरे पति के खिलाफ केस दर्ज कराया था। सेशन कोर्ट से होता हुआ केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। जस्टिस सीसी रविकुमार और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि महिला और उसके दूसरे पति को एकसाथ जेल नहीं भेजा जाएगा। पहले महिला का दूसरा पति 6 महीने जेल में रहेगा।

पटना में सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत

● 100 किमी की स्पीड से स्कॉर्पियो हाइवा से टकराई

पटना (एजेंसी)। पटना में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। हादसा पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर ओवर ब्रिज के पास स्कॉर्पियो सड़क पर खड़ी हाइवा से टकरा गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। इसमें 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि स्कॉर्पियो की स्पीड 100 किमी थी। जानकारी के मुताबिक नवादा जिले के हिसुआ से एक स्कॉर्पियो आ रही थी। इस पर 11 लोग सवार थे। सभी बाढ़ के उमानाथ घाट गंगा स्नान करने जा रहे थे।

चांदीपुरा वायरस से 6 बच्चों की मौत

● डॉक्टर बोले- मच्छरों से बीमारी फैलती है

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में चांदीपुरा वायरस के चलते 5 दिन में 6 बच्चों की मौत हो गई है। गुजरात के स्वाथ्य मंत्री ऋषिकेश

पटेल ने बताया कि अभी तक राज्य में 12 बच्चे इस वायरस से इन्फेक्टेड हैं। इस वायरस का इन्फेक्शन 9 साल से 14 साल के बच्चों को ही होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने बताया कि चांदीपुरा वायरस से बच्चों में फीवर और फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं।

जस्टिस एचएन कोटिश्वर सिंह और जस्टिस आर महादेवन होंगे सुप्रीम कोर्ट के नए जज

नईदिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट में दो नए जजों की नियुक्ति कर दी है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के मुताबिक राष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एचएन कोटिश्वर सिंह और मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आर महादेवन को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में नियुक्त किया है। दो जजों के रिटायरमेंट के चलते सुप्रीम कोर्ट में 32 जज बचे थे।

सभी सब्जियों का जायका बिगड़ा

टमाटर -प्याज तो छोड़िए अन्य सब्जी भी हुई महंगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। सब्जियों की महंगाई ने रसोई का जायका बिगाड़ दिया है। आलू, टमाटर, हरी सब्जियों के भाव बदलते मौसम में आसमान छू रहा है। बारिश के मौसम में बढ़ते दामों ने आम आदमी का पसीने छुड़ा रहा है। खुदरा बाजार ही नहीं थोक बाजार में भी भाव में उछाल है। कुछ दिन पहले तक जो 40-50 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाला टमाटर 100 रुपया के पार चला गया है। इस हिसाब से एक टमाटर 10 रुपया के करीब पड़ रहा है। टमाटर के लाल होने के साथ आलू के भाव भी बढ़े हुए है। खुदरा बाजार में 40-50 रुपया प्रति किलो बिक रहा है। बारिश की वजह से आवक कम होने से फिलहाल भाव घटता हुआ भी दिखाई नहीं पड़ रहा है। आलू, प्याज, टमाटर ही नहीं दूसरी सब्जियों के दाम में भी अचानक से वृद्धि हो गई है। प्याज टमाटर के बिना सब्जी का जायका नहीं आता है।

लिहाजा महंगाई ने सभी सब्जियों का जायका बिगाड़ कर रख दिया है। 30-40 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाली भिंडी 100-120 रुपये प्रतिकिलो बिक रही है। रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली सभी सब्जियों के भाव पिछले 10 दिनों की तुलना में तीन गुने हो गए हैं। हालांकि थोक मंडी में भाव में उतनी वृद्धि नहीं हुई है, जितनी खुदरा बाजार की दुकानों में हुई है। बीस और शिमला मिर्च का तीखापन भी बढ़ गया है। इनके भाव भी 100 रुपये प्रतिकिलो के पार चले गए है।

सब्जी व्यापारियों का कहना है कि बारिश और पहाड़ी क्षेत्र से सब्जियों की आवक कम हो गई है। बरसात के कारण सब्जियों की आवक कम हो जाती है। खेतों में पानी भरने की वजह से सब्जियों का उत्पादन भी कम हो जाता है। इससे फसलें खराब भी होती हैं। यूपी, पंजाब के कोल्ड स्टोरेज में आलू इस बार कम रखा गया था।

किलो की जगह पाव के भाव बता रहे है विक्रेता

सब्जियों की महंगाई में लगी आग से हर वर्ग परेशान है। विक्रेता सब्जियों के भाव किलो की जगह पाव में बता रहे हैं। क्योंकि किलो का भाव बताते ही ग्राहक मोल-भाव करने लगते हैं। यही वजह है कि किलो की जगह पाव में भाव बताया जा रहा है। 500 रुपये में भी सब्जियों से झोला भरना महंगाई की वजह से मुश्किल हो रहा है। उधर, दलहन के भाव बढ़ने से भी हरी सब्जियों की कीमत पर प्रभाव पड़ रहा है। पहले गर्मी और बारिश की वजह से आगामी दिनों में भी यही भाव रहने के आसार हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला कैप्टन समेत 5 जवान शहीद

कैप्टन बृजेश थापा की मां बोलीं- बेटे को सीमा पर नहीं भेजेंगे, तो देश के लिए कौन लड़ेगा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिसकर्मी की भी मौत हुई है। यानी कुल 5 लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय रायफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस यहां सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

सर्चिंग के दौरान आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। घना जंगल होने की वजह से वे बच निकले। सोमवार रात 9 बजे के आसपास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

शहीद हुए राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों में कैप्टन बृजेश थापा पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के और सिपाही बृजेंद्र, सिपाही अजय राजस्थान के झुंझुनू के रहने वाले थे। नायक डी राजेश की जानकारी सामने नहीं आई है।

जवानों की मौत से गहरा दुख हुआः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

आतंकवाद विरोधी अभियान में हमारे बहादुर और साहसी भारतीय सेना के जवानों की मौत से गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। राष्ट्र मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

सैनिकों की शहादत पर बोले राहुल गांधी

नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी समेत 4 जवान शहीद हो गए हैं। सेना के चार जवानों की शहादत को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा की गलत नीतियों का खामियाजा हमारे जवानों को भुगतना पड़ रहा है।

बिहार में वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता की हत्या

● एफएसएल की टीम पटना पहुँची, रिश्तेदार का दावा- हत्याकांड में गांव के लोगों का हाथ

पटना/दरभंगा (एजेंसी)। बिहार में विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआईपी के सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या कर दी गई है। मंगलवार सुबह 70 साल के सहनी का क्षत-विक्षत शव उनके घर से मिला है। घटना दरभंगा के घनश्यामपुर थाना के जीरत गांव की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मुकेश सहनी मुंबई से पटना पहुंच गए है। यहां से वो दरभंगा के लिए निकल गए हैं।

मुकेश सहनी

पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में मुकेश सहनी ने कहा कि पिता के हत्यारों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द हो। सीएम से बात हुई है, उचित कार्रवाई का आश्वासन मिला है।

हत्या की जांच के लिए एसआईटी गठित

पुलिस ने बताया कि सहनी को धारदार हथियार से हमला करके मारा गया है। उनके घर का सामान भी बिखरा पड़ा मिला है, इस लिहाज से पुलिस का मानना है कि चोरी का विरोध करने पर सहनी का मर्डर किए जाने की आशंका है। हत्या की जांच के लिए एसआईटी बना दी गई है। दरभंगा के एसपी देहात इसे लीड करेंगे।

गांव में बने घर में अकेले रहते थे जीतन सहनी- जीतन सहनी गांव में बने घर में अकेले रहते थे। उनके दो बेटे मुकेश और संतोष हैं। मुकेश बिहार के पूर्व पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रह चुके हैं। उनकी एक बेटी भी है, जिसकी शादी हो चुकी है और वह मुंबई में रहती है।

किसानों को 30 फीसदी ज्यादा मुआवजा मिलेगा

दीया कुमारी ने कहा-हर साल 500 छात्राओं को मिलेगी स्कूटी; कांग्रेस ने मुंगेरीलाल के सपने दिखाए

जयपुर (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बजट बहस पर जवाब देने के दौरान घोषणा की है कि राजस्थान सरकार एक हजार गांवों को डामर सड़क से जोड़ेगी। इसके साथ ही 2027 तक किसानों को दिन में बिजली मिलेगी। बाड़मेर जिले में 48 करोड़ की लागत से भारत-पाक सीमा चौकियों तक सड़कें बनेंगी, पहले फेज में इस साल 9 चौकियों तक सड़क बनाई जाएगी। वहीं, बिजली की ट्रांसमिशन लाइन के नीचे आने वाली किसानों की जमीनों का डीएलसी की दर से 30 फीसदी ज्यादा मुआवजा दिया जाएगा।

पॉलिटेक्निक छात्राओं को मिलेगी स्कूटी-दीया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार हर साल 500 पॉलिटेक्निक छात्राओं को स्कूटी देगी। राज्य सरकार स्पेशल ट्रेन चलाएगी, इस ट्रेन के जरिए राजस्थान के लोग अयोध्या में राम लला के दर्शन करने जा सकेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। अब तक इस योजना में केंद्र सरकार 5 हजार रुपए दे रही थी। माना जा रहा है कि राज्य सरकार 5 हजार रुपए अपनी तरफ जोड़कर महिलाओं के खाते में यह पैसा डालेगी।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चों को 5 हजार रुपए महीने मिलेंगे- दीया कुमारी ने कहा कि दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चों को आयुष्मान योजना के तहत 5 हजार रुपए प्रति माह मिलेंगे। इसके लिए योजना के अंदर ही बाल संबल योजना शुरू होगी।

अन्य बड़ी घोषणाएं

- ब्रेस्ट कैंसर की जांच के लिए मोबाइल वैन की संख्या बढ़ाई जाएगी। हर मेडिकल कॉलेज पर ब्रेस्ट कैंसर वैन उपलब्ध कराई जाएगी।
- RGHS में फेफड़े और किडनी के इलाज के लिए विशेष पैकेज मुहैया कराए जाएंगे।
- प्रदेश में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट की स्थापना होगी।
- प्रदेश की 100 गौशालाओं को गौ काष्ठ मशीन रियायती दर पर उपलब्ध कराई जाएगी।
- राजस्थान रेवेन्यू बोर्ड मॉर्डनाइजेशन सिस्टम लागू किया जाएगा, इस पर 5 साल में 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- भूमि ज्ञान, नामांकरण, गैर खातेदारी से खातेदारी भूमि जैसे कामों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा।
- प्रदेश में नशे की रोकथाम के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनेगी।

हाईकोर्ट ने कहा-स्टिंग ऑपरेशन केस में मीडिया पर नहीं चला सकते मुकदमा

केरल। केरल हाई कोर्ट ने हाल ही में दिए अपने फैसले में एक स्टिंग ऑपरेशन करने वाले दो टीवी पत्रकारों को बड़ी राहत दी है और उनके खिलाफ शुरू किए गए आपराधिक मुकदमे को रद्द कर दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चौथा खंभा यानी मीडिया का होना जरूरी है। हम उस पर ऐसे केस नहीं चला सकते हैं। यह मामला सनसनीखेज सौर घोटाले से जुड़ा हुआ है।जस्टिस पीवी कुन्हिकृष्णन ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकारों के कामकाज पर रिपोर्टिंग करने या उसका स्टिंग ऑपरेशन करते समय प्रेस को कभी-कभी कानूनी सीमाओं को धुंधला करना पड़ सकता है। यह उसके काम का हिस्सा है क्योंकि जनता तक सही सूचनाएं पहुंचाना उनका कर्तव्य है और ईमानदारी से इसे पूरा किया जाना चाहिए। इसमें बाधा नहीं उत्पन्न करना चाहिए।बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस कुन्हिकृष्णन ने अपने फैसले में लिखा,

"स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चौथा स्तंभ आवश्यक है। यह सुनिश्चित करता है कि सत्ता का दुरुपयोग न हो और नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की जानकारी हो और उस प्रक्रिया में शामिल हों। चौथा स्तंभ काम कर रहा है या नहीं और उपरोक्त सिद्धांतों का पालन कर रहा है या नहीं, यह एक अलग बात है। लेकिन उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उनकी ओर से कुछ ऐसी गतिविधियां हो सकती हैं, जिनकी कानून के अनुसार सामान्यतः अनुमति नहीं है। चौथे स्तंभ

द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली ऐसी ही एक विधि है 'स्टिंग ऑपरेशन'।"

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की ट्रेनिंग रद्द

● मसूरी की एकेडमी में वापस बुलाया गया; ऑफिसर पर नाम बदलने, मेडिकल टेस्ट न देने के आरोप

पुणे (एजेंसी)। पूजा ने संघ लोक सेवा आयोग (पीएससी) को दिए एक हलफनामे में दावा किया है कि वह मानसिक रूप से अक्षम हैं और उन्हें देखने में भी दिक्कत होती है। पूजा ने मेडिकल टेस्ट देने से 6 बार मना किया था, जबकि मेडिकल टेस्ट देना जरूरी होता है।ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर की पीएससी में गड़बड़ी के मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। अब सामने आया है कि पूजा ने यूपीएससी के अटेम्प्ट बढ़ाने के लिए अपने नाम और उम्र में बदलाव किया था। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (केट) में पूजा की तरफ से लगाए गए 2020 और 2023 के दो आवेदनों में पूजा के अलग-अलग नाम हैं। पूजा ने 2020 के आवेदन में अपना नाम 'खेडकर पूजा दिलीपराव' और उम्र 30 साल बताई थी। वहीं, 2023 में केट के आवेदन में उन्होंने अपना नाम पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर और उम्र 31 साल बताई।

उ.प्र. शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था दो माह के लिए स्थगित...

● मामले के समाधान को योगी सरकार बनाएगी कमेटी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था को दो महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मामले में शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कतों को खत्म करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। ये जानकारी प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम ने दी। बता दें कि मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बेसिक के शिक्षक संगठनों की हुई वार्ता हुई। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि शासन ने फिलहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित करने पर सहमति दी है। जल्द इसका आदेश जारी होगा।

संक्षिप्त समाचार

डॉल्फिन को लोगों ने किया कोसी नदी के हवाले

सहरसा, एजेंसी। महिषी एक संवाददाता । पूर्वी कोसी तटबन्ध के 98 किलोमीटर पर स्थित स्पर के निकट लोगों को एक डॉल्फिन मिला, जिसे देखने के लिए लोगों की अपार भीड़ जमा हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को दिन के करीब 12 बजे लोगों की नजर कोसी नदी की मुख्य धारा से पूरब एक झाड़ी में फंसे मछलीनुमा जानवर पर पड़ी। लोगों ने उसे बाहर निकाला। लोगों के अनुसार मछलीनुमा यह जानवर डॉल्फिन था, जो शायद कोसी की मुख्य धारा में बहते हुए कम पानी में चली आई और काश व झाड़ी में फंस जाने के कारण लहूलुहान हो गयी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह तकरीबन 5 फीट लम्बा था और इसकी चोंच करीब डेढ़ से दो फीट तक लम्बा था। इसे देखने के लिए काफी देर तक इस स्थल पर लोगों का आना जाना लगा रहा। बाद में ग्रामीणों ने उसे फिर से कोसी की मुख्य धारा में बहा दिया।

अब तक नहीं हटवाया गया ग्रामीण हटिया रोड से अतिक्रमण

सहरसा/कहरा, एजेंसी। बनगांव नगर पंचायत के बरियाही बाजार स्थित ग्रामीण हटिया जानेवाली मुख्य मार्ग से अभी तक अतिक्रमण नहीं हटवाया गया है। जबकि स्थानीय कई बाजार वासियों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन अंचलाधिकारी एवं प्रतिलिपि नप पदाधिकारी, सदर एसडीओ को देकर अतिशीघ्र इस मार्ग से अतिक्रमण हटवाने की मांग किया था। लेकिन एक सप्ताह बाद भी अभी तक प्रशासन द्वारा अभी तक अतिक्रमण नहीं हटवाया गया है। यह बतादें कि अतिक्रमण किए जाने के कारण यह मार्ग काफी संकीर्ण सा हो गया है।इस कारण इस मार्ग में हमेशा जाम सा हालत रहने से लोगों को वाहन तो क्या, पैदल चलने में भी काफी परेशानी हो रहा है। यह भी बतादें कि बनगांव नप के बरियाही बाजार में आजादी पूर्व से प्रत्येक सप्ताह बुधवार एवं शनिवार को ग्रामीण हटिया आयोजित की जाती है। आज भी अन्य प्रखण्ड के भी लोग खरीददारी करने इस ग्रामीण हटिया में आते है। नप क्षेत्र वासी सहित क्षेत्रीय ग्रामीणों ने एनएच 327 ई से एन एच 107 बायपास सड़क तक ग्रामीण हटिया जानेवाली सड़क को अतिशीघ्र अतिशीघ्र अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग अंचलाधिकारी एवं नगर पंचायत पदाधिकारी से की है।

कोसी का दबाब रहने से कोठिया के लोगों में दहशत

सहरसा, एजेंसी। प्रखण्ड क्षेत्र के महिषी दक्षिणी पंचायत का वार्ड नम्बर एक व दो कोठिया गांव के समीप कोसी नदी के पानी के कारण लगे कटनिया से लोगों में गांव कटने की आशंका होने लगी है। लोगों का कहना है कि नदी और गांव के बीच की दूरी काफी कम बच गयी है। ज्ञात हो कि कोसी नदी के जलस्तर में कमी आने पर कटाव लगता है। विगत दो दिन से कोठिया में कटनिया लग गया है, जिससे कुछ एकड़ जमीन कोसी नदी में कटकर विलीन हो गयी। ग्रामीणों ने कटाव से बचाव की मांग विभागीय अधिकारियों से किया है। बता दें कि विगत वर्ष भी इस जगह कटाव लगा था, जिसे तत्काल बम्बू रोल ट्री स्पर देकर रोकथाम किया गया था। इस बार फिर से कटाव लग जाने से लोगों में जमीन के साथ गांव पर भी खतरा बढ़ने का डर है। स्थानीय ग्रामीण जवाहर बिंद, मोहन बिंद, हरेराम बिंद, पवन बिंद, सिकेन बिंद, मालिक शर्मा, प्रकाश चौधरी, अरुण चौधरी, शंकर चौधरी, राजो चौधरी सहित अन्य ने शीघ्र बचाव कार्य करने की मांग की है।

सांसद ने छपरा मंडल कारा को सुंदर व मॉडल बनाने का मांगा प्रस्ताव

छपरा, एजेंसी। सांसद राजीव प्रताप रूडी ने छपरा मंडल कारा को सुंदर व मॉडल बनाने के लिए जेल प्रशासन से प्रस्ताव मांगा है। सांसद ने जेल अधीक्षक राधेश्याम सुमन से उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में सोमवार को मुलाकात की। इस क्रम में उन्होंने बंदियों को मिलने वाली आवश्यक सुविधाओं के बारे में जेल अधीक्षक से जानकारी ली। साफ सफाई और पौधरोपण पर भी सांसद ने जोर दिया। इससे पूर्व सांसद ने लोकसभा चुनाव में हत्या के आरोप में बंद बीजेपी नेता रामाकांत सिंह सोलंकी से मुलाकात की। उसी वार्ड में पूर्व विधायक तारकेश्वर सिंह व पूर्व मंत्री रवीन्द्र मिश्र भी उनसे रूबरू हुए। उनके अलावा कई अन्य बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्या जानी। ।सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से सांसद ने जेल कैंपस के जर्जर भवनों को देखा व जेल अधीक्षक से इस पर अविलंब प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। सांसद ने कहा कि वे अपने सांसद निधि कोष से जेल के कई भवनों को मॉडल और सुंदर बना सकते हैं।

मुकेश सहनी के पिता की हत्या: दरभंगा की ग्रामीण एसपी काम्या मिश्रा लीड करेंगी एसआईटी जांच

दरभंगा, एजेंसी। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी, वीआईपी के सप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या के इस बड़े कांड में दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने एसआईटी का गठन किया है। ग्रामीण एसपी काम्या मिश्रा के नेतृत्व में गठित एसआईटी मामले की जांच करेगी। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में बिरौल एसडीपीओ मनीष चंद्र चौधरी और बिरौल एसएचओ व तकनीकी कोषांग, दरभंगा को शामिल किया गया है।

एसआईटी जल्द से जल्द अपना रपोर्ट पेश करेगी जिसके आधार पुलिस आगे की कार्रवाई की गयी है। इस हत्या कांड से बिहार के सियासी गलियारे में भूचाल आ गया है। नीतीश कुमार के सुसाशन के दावों पर इस हत्याकांड से गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं।

सोमवार की रात दरभंगा जिले के विरौल थाना अंतर्गत सुपौल स्थित आवास में मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की धारदार हथियार के काट काटकर हत्या कर दी गयी। बदमाशों ने

70 साल के बुजुर्ग जीतन सहनी पर धारदार हथियार से बार बार प्रहार किया। इतना ही नहीं हत्यारों ने उन्हें कई स्थानों पर काटने के बाद चाकू गोद कर पेट फाड़ दिया जिससे पूरा आंत और लीवर बाहर निकल गया। जीतन सहनी अपने घर में सोमवार की रात अकेले थे। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक करीब दस साल पहले उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। मुकेश सहनी कभी कभार अपने घर पर आते थे। पिता की देखभाल के लिए नौकर बहाल कर रखा था जो रात में घर पर नहीं रहता था।

मुकेश सहनी फिलहाल मुंबई में हैं। वे विशेष विमान से गांव पहुंचने वाले हैं। इस बीच उनके गांव में लोगों की भारी भीड़ जुट गई है। पटना और अन्य जिलों से नेताओं का पहुंचना शुरू हो गया है। जदयू, बीजेपी, आरजेडी समेत सभी दलों के नेताओं ने इस घटना की निंदा की है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि इस कांड के सभी अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा है कि बिहार में कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। जदयू एमएलसी संजय सिंह ने कहा कि मामले में एसआईटी का गठन हो गया है। पुलिस एक एक बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजेगी। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुसाशन की सरकार काम कर रही है।

क्यों और किसने मारा, पुलिस के सामने बड़ी चुनौती

घटना की जांच के लिए एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने एसआईटी का गठन किया है। एसपी ग्रामीण काम्या मिश्रा के नेतृत्व में गठित एसआईटी में बिरौल एसडीपीओ मनीष चंद्र चौधरी और बिरौल एसएचओ व तकनीकी कोषांग, दरभंगा को शामिल किया गया है। इतनी निर्ममता से जीतन सहनी की हत्या क्यों और किसने की यह पता लगाना बिहार पुलिस की इस वक्त की सबसे बड़ी चुनौती है। जिस वक्त पिता की हत्या की सूचना मिली मुकेश सहनी मुंबई में थे। वह बिहार के लिए रवाना हो चुके हैं। दोपहर या शाम तक उनके यहां पहुंचने की संभावना है। जीतन सहनी की हत्या किन कारणों से हुई है यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस चोरों द्वारा इस सनसनीखेज हत्याकांड को अंजाम दिए जाने की आशंका जता रही है। घर का सामान बिखरा मिला है इस आधार पर यह बात कही जा रही है। लेकिन लोगों का कहना है कि जिस निर्ममता से हत्या की गई है उसे देखते हुए यह कहना जल्दबाजी होगी कि चोरी के मकसद से हत्या को अंजाम दिया गया है। इसके पीछे कोई गहरी साजिश और बड़ी वजह हो सकती है।

मां-बेटे पर की फायरिंग, बाइक की टंकी में लगी बुलेट, रास्ते में 6 बदमाशों ने घेर लिया

दोनों खरीदारी के लिए जा रहे थे बाजार

समस्तीपुर, एजेंसी। जिले के वैनी थाना क्षेत्र के चंदौली गांव में सोमवार देर शाम मां-बेटे पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हालांकि इस घटना में वह बाल बाल बच गए, लेकिन फायरिंग से उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। बाइक की टंकी में बुलेट लग गई। गोलीबारी की घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश चंदौली की ओर फरार हो गए। बदमाश 6 की संख्या में थे। जो दो बाइक पर सवार होकर आए थे। पीड़ित उपेंद्र सिंह ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई।

आगे से घेर कर फायरिंग शुरू कर दी : उपेंद्र सिंह अपनी मां फुल परी देवी के साथ बाइक से चंदौली घर से मुजौना बाजार खरीदारी के लिए जा रहे थे।जब वह अपनी बोरिंग के पास पहुंचे तो दो बाइक पर सवार 6 बदमाशों ने पीछा शुरू किया। उनकी बाइक के नजदीक आकर लात मार कर गिरने का प्रयास किया। हालांकि जब वह इसमें सफल नहीं हुए तो बदमाशों ने उन्हें आगे से घेर लिया और उन पर फायरिंग कर दी। हालांकि दोनों बाल-बाल बच गए, लेकिन गोली बाइक की टंकी में लगी। पेट्रोल का रिसाव होने लगा। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश चंदौली की ओर ही वापस फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही वैनी पुलिस मौके पर पहुंची और बदमाश के भागने की दिशा में छापेमारी शुरू कर दी है। पीड़ित उपेंद्र सिंह ने बताया कि बदमाशों में से एक को वह पहचानते हैं, हालांकि उससे पूर्व से कोई विवाद या दुश्मनी की बात से इनकार किया है।

पुलिस जांच कर रही है

पुलिस पदाधिकारी ने क्या कहा बाजार आ रहे हैं मां-बेटे पर फायरिंग की गई है। हालांकि दोनों सुरक्षित हैं लेकिन उनकी बाइक की टंकी में गोली लगी है। पीड़ित ने बदमाशों में से एक को पहचानने की बात बताई गई है। अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

छात्र-छात्राओं का हुआ ऑनलाइन मॉक टेस्ट

दरभंगा, एजेंसी। आईसीटी लैब वाले विद्यालयों में नीट व जेईई की तैयारी में लगे छात्र-छात्राओं का मॉक टेस्ट सोमवार को लिया गया। परीक्षा तीन पालियों में होनी थी, लेकिन छात्र-छात्राओं के हिसाब से सभी जगह तीन पालियों में नहीं हो सकी। पहली पाली नौ से 11, दूसरी पाली 11ः30 से 1ः30 तथा तीसरी पाली दो से चार बजे तक हुई। मॉक टेस्ट में 120 मिनट की परीक्षा अवधि में एक सौ प्रश्न दिए गए थे, जिन्हें ऑनलाइन हल करना था। प्रतिभागियों का चयन, टेस्ट का स्थल एवं पाली का निर्धारण संबंधित बीईओ व प्रखंड परियोजना प्रबंधकों ने किया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आईसीटी लैब वाले विद्यालयों में उपलब्ध कंप्यूटर सेट में बीएसएनएल की ओर से अब तक 126 विद्यालयों में इंटरनेट की सुविधा बहाल कर दी गई है। जिन विद्यालयों में मॉक टेस्ट का आयोजन हुआ जहां इंटरनेट की सुविधा नहीं थी। संबंधित एजेंसी को इसकी जिम्मेदारी दी गई थी।

पटना में दो नाबालिगों की लाश मामले का खुला राज -बच्चों के हाथ-पैर बांध आंखें फोड़ी, हत्या कर तालाब में फेंक दिया

पटना, एजेंसी। बिहार राजधानी पटना में दो मासूमों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई। पहले उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। इसके बाद कातिलों ने हाथ-पैर बांधकर पांचवी कक्षा के छात्र प्रत्यूष कुमार (11)और चौथी के छात्र विवेक कुमार (10) को रस्सी से बांध दिया। फिर उनकी आंखें फोड़ डाली। दोनों की सांस बंद होने के बाद बेऊर थानांतर्गत 70 फीट के समीप स्नेह होम्स ग्रीन सिटी के कैंपस में स्थित एक तालाब में शवों को फेंक दिया गया। दोनों बच्चे गर्दनीबाग सरिस्ताबाद देवी स्थान के समीप रहते हैं। वे रविवार की सुबह दो बजे से ही लापता थे। सोमवार को उनकी लाश तालाब से बरामद की गई थी। दूसरी ओर सोमवार की सुबह सात बजे लापता बच्चों की लाश मिलने की खबर सुनकर स्थानीय लोगों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साये लोगों ने न्यू बाइपास पर अनीसाबाद-जीरो माइल को जाम कर आगजनी की। कंस्ट्रक्शन कंपनी के गार्ड को भी पकड़कर उसकी पिटाई की गई। बाद में पुलिस गार्ड को पूछताछ के लिये अपने साथ ले गई। इधर, घटना की खबर मिलते ही मौके पर सिटी एसपी पूर्वी और पश्चिमी के अलावा कई थानों की पुलिस की तैनाती कर दी गई। अफसरों के लाख समझाने के बाद भी लोग सड़क से हटने को तैयार नहीं थे। उन्होंने जल्द से जल्द आरोपितों को पकड़ने व कंस्ट्रक्शन कंपनी की साइट को सील करने की मांग की। दोपहर एक बजे तक लोग सड़क पर बवाल काटते रहे। बाद में पुलिस अधिकारियों के समझाने-बुझाने व आश्वासन देने के बाद लोगों ने सड़क जाम हटाया। बच्चों के लापता होने और हत्या को लेकर गर्दनीबाग थाने में केस दर्ज किया गया है बताते चलें कि पटना से गर्दनीबाग के बच्चों की बेऊर इलाके में लाश मिलने केबाद भारी हंगामा हुआ था। लोगों ने आगजनी कर सड़क जाम कर दिया और जमकर बवाल काटा। सोमवार को पटना पुलिस की ओर से कहा गया कि यह हत्या नहीं बल्कि डूबक मरने का मामला है। लेकिन परिजन शुरू से ही दोनों बच्चों की हत्या का आरोप लगा रहे थे। हालांकि हत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है।

फर्जी मुकदमे दर्ज करने वाले थाना प्रभारियों को तत्काल प्रभार मुक्त किया जाए: बीएसपीएस

- बिहार के मुख्य सचिव से बीएसपीएस ने पत्रकारों पर दर्ज सभी फर्जी मुकदमों को समाप्त करने की मांग की गई।
- बीएसपीएस के राष्ट्रीय महासचिव ने आज बिहार मुख्यमंत्री सचिवालय में सौंपा ज्ञापन।
- फर्जी मुकदमे दर्ज करने वाले थाना प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से प्रभार मुक्त करने की मांग की।
- बिहार के चंपारण, मुजफ्फरपुर एवं गया जिलों में दर्ज किए गए हैं झूठे मुकदमे। आधिकांश मुकदमे समाचार संकलन को लेकर बदले की भावना से किए गए।

पटना। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज़ हसन ने आज बिहार के मुख्य सचिव बृजेश मेहरोत्रा से मुलाकात कर उन्हें पत्रकारों पर दर्ज फर्जी मुकदमों में गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए सभी मुकदमों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। आज बिहार के बेगुसराय एवं खगड़िया जिला का दौरा कर पटना पहुंचने पर श्री हसन ने बिहार में पत्रकारों पर दर्ज झूठे मुकदमों की राष्ट्रीय सचिव एस एन श्याम से जानकारी ली। मुख्य सचिव से शाम लगभग 6 बजे मुख्यमंत्री सचिवालय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नीरज कुमार एवं सरफराज के साथ पहुंचे। सौंपे गए ज्ञापन में बिहार के विभिन्न जिलों में पत्रकारों के विरुद्ध हुए फर्जी मुकदमों की जानकारी दी गई। ज्ञापन में कहा गया है कि ऐसे सभी फर्जी मुकदमों में अधिकांश मामलों में समाचार संकलन को लेकर ही पत्रकारों को निशाना बनाया गया है। कहीं शराब माफिया, तो कहीं भू-माफिया द्वारा एक षडयंत्र के तहत उनके विरुद्ध

फर्जी मुकदमे दर्ज किये गये हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश ने पत्रकारों के विरुद्ध झूठे मुकदमों को लेकर कई अवसर पर मौखिक रूप से टिप्पणी की है। "पत्रकारों को भीड़ का हिस्सा न समझा जाये, पत्रकारों के विरुद्ध कार्रवाई बदले की भावना से न की जाये"। इसके बाबजूद अंचल/प्रखंड/थाना स्तर पर अक्सर पत्रकारों के विरुद्ध बदले की भावना से फर्जी मुकदमे दर्ज किये जाते हैं। मुख्य सचिव से संगठन ने ऐसे सभी मुकदमों की न्यायसंगत उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही, जांच पूरी होने तक इनकी गिरफ़्तारी पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। बीएसपीएस ने यह भी अनुरोध किया है कि जिन थाना प्रभारियों द्वारा फर्जी मुकदमे दर्ज किये गये हैं, उन्हें तत्काल प्रभार मुक्त किया जाये, ताकि पत्रकारों को न्याय मिल सके।

40 से कम उम्र के शिक्षकों की दूर होगी पोस्टिंग, 5 कैटेगरी में बांटे जाएंगे स्कूल

पटना, एजेंसी। बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर शिक्षा विभाग ने कमेटी बनाई है। कमेटी इसको लेकर प्रस्ताव तैयार कर रही है। जानकारी के मुताबिक 40 साल से कम उम्र के शिक्षकों को पोस्टिंग सुदूर इलाकों में की जाएगी। भौगोलिक आधार पर स्कूलों का पांच कैटेगरी में बांटे जाएंगे। इसी आधार पर ट्रांसफर पोस्टिंग होगी। असाध्य रोग से पीड़ित शिक्षक और शिक्षक दंपती को राहत दी जाएगी। इसके साथ ही दिव्यांग और महिला शिक्षक को भी राहत मिलेगी। बिहार के करीब 5 लाख शिक्षकों की नजर ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर सरकार की तरफ से बनाई जा रही नई नीति पर है। कमेटी शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर नीति बना रही है। वैसे इस पर फाइनल फैसला सरकार का होगा। सरकारी स्कूलों की छुट्टी को लेकर भी कमेटी नीति बना रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारियों से भी सुझाव लिए गए हैं। साथ ही उन्हें कई निर्देश भी सचिव की ओर से दिए गए। गठित कमेटी जल्द ही अपनी रिपोर्ट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ को सौंपेगी। इसके बाद शिक्षा मंत्री के सहमति के बाद इस रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। विभाग के पदाधिकारी बताते हैं कि कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर बनी नई नीति में बदलाव भी किए जा सकते हैं।

ट्रांसफर-पोस्टिंग की नई नीति पर 5 लाख शिक्षकों की नजर : आईएएस डॉ. सिद्धार्थ द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी पर 5 लाख से अधिक शिक्षकों की नजर है। बिहार के सरकारी स्कूलों में 1 टू 8 क्लास तक 4 लाख शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे हैं। 9वीं से 12 वीं तक शिक्षकों की कुल संख्या लगभग 1 लाख के पास है।

बिहार में चार कैडर के शिक्षक : बिहार सरकार के स्कूलों में फिलहाल चार कैडर के शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे हैं। सबसे पहला कैडर ग्रेड पे वाले। वैसे शिक्षक आते हैं जिन्होंने ग्रेड पे पर जॉइन किया है। इनकी संख्या अब काफी कम बची है। ट्रांसफर पॉलिसी सरकार के पास है। ग्रेड पे वाले शिक्षक बिहार के किसी भी स्कूलों में तबादला किया जा सकता है। जिले के अंदर जिला शिक्षा पदाधिकारी तबादला करते रहें हैं।

दूसरा कैडर नियोजित शिक्षक : बिहार सरकार ने नियोजन के सहारे शिक्षकों को बहाली की नियोजित शिक्षक को लेकर सरकार के पास ट्रांसफर पॉलिसी नहीं है।

तीसरा कैडर बीपीएससी : बिहार सरकार में 2023 और 2024 में बीपीएससी द्वारा शिक्षकों को नियुक्ति कराई है। ञत्रश्च 1 और ञत्रश्च 2 से बीपीएससी शिक्षक चुनकर आए हैं। इनके तबादले का अधिकार सरकार के पास है। नियुक्ति नियमावली में कहा गया है कि बिहार के किसी भी स्कूलों में इनका ट्रांसफर किया जा सकता है।

विशिष्ट शिक्षक कैडर : बिहार सरकार ने विशिष्ट शिक्षक का कैडर बनाया है। इस कैडर में वैसे शिक्षक शामिल होंगे जो सक्षमता परीक्षा पास करेंगे। नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा विशिष्ट शिक्षक बनने पर ही मिलेगा।

मानसून रूठा, 21 जुलाई तक उमस भरी गर्मी

पूर्णिया, एजेंसी। फिलहाल उत्तरी बिहार से मानसून रूठ गया है और 21 जुलाई तक वर्षा होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। हालांकि मौसम विभाग का पूर्वानुमान इंडेक्स बता रहा है कि हिमालय की तराई के क्षेत्र में वर्षा होगी और पूर्णिया एवं कोसी प्रमंडल में सिर्फ बूंदाबांदी के आसार है। इस प्रकार सीमांचल के धान के किसानों की परेशानी बढ़ गई है। धान की रोपनी के लिए किसान सिंचाई का अतिरिक्त प्रबंध कर रहे हैं जो काफी खर्चीला साबित हो रहा है। जिस प्रकार मानसून का पूर्वानुमान पहले से जारी किया गया था उस हिसाब से किसानों में खुशी थी लेकिन उनकी खुशी अब काफूर होती नजर आ रही है। जिन-जिन किसानों ने पूर्व में ही सिंचाई कर खेत में धान की रोपनी किया था उन लोगों के खेतों में भी सूखाड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में तीन शोधछात्रों को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी बिहार के संस्कृत विभाग में दिनांक 16 जुलाई, 2024 को तीन शोधछात्रों की अन्तिम रूप से अन्तर्वीक्षा सम्पन्न हुई, जिसमें मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता एवं संस्कृत विभाग में आचार्य प्रो० प्रसून दत्त सिंह के दो शोध छात्र एवं संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ बबलू पाल के एक शोधछात्र का शोधकार्य सम्पन्नता को प्राप्त हुआ। शोधछात्र रोहित ने "अर्वाचीन संस्कृत रचनाधर्मिता में अभिराज राजेन्द्र मिश्र का अवदान" विषय पर अपने शोधकार्य को प्रस्तुत किया, जिसकी अन्तर्वीक्षा में संस्कृत विभाग, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो० विजय गर्ग उपस्थित रहे। इस मौखिकी परीक्षा के बाह्य परीक्षक के द्वारा अनेक गुणवत्तापूर्ण एवं प्रासंगिक प्रश्नों को उपस्थापित किया गया, जिसका समुचित उत्तर शोधार्थी रोहित ने दिया। शोधार्थी के शोधनिर्देशक मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो० प्रसूनदत्त सिंह भी उपस्थित रहे। बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे। शोधार्थी ताराकान्त मित्र ने "आश्वलायन एवं कात्यायन गृह्यसूत्रों में प्रतिपादित संस्कार व्यवस्था का समीक्षात्मक अध्ययन" इस शोध विषय पर संक्षिप्त सारतत्त्व का विवेचन करते हुए आधुनिक समाज में इसकी उपादेयता को स्पष्ट किया। बाह्य परीक्षक के रूप में संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो० सुभाष कुमार सिंह ने वर्तमान समय की समस्याओं को विभिन्न संस्कारों के द्वारा किस प्रकार से दूर किया जा सकता है, इस दृष्टिकोण से शोधछात्र ताराकान्त मित्र के द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा करते हुए शोधकार्य की संस्तुति प्रदान किया। शोधार्थी शिवप्रसाद पाल ने "नारदभक्तिसूत्र में भक्ति स्वरूप विमर्श" विषय पर अपने शोध-प्रबन्ध को प्रस्तुत किया, जिसमें बाह्य परीक्षक के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो० प्रयाग नारायण मिश्र उपस्थित रहे। महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक, मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता एवं गाँधी भवन परिसर के निदेशक प्रो० प्रसूनदत्त सिंह तथा संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ श्याम कुमार झा उपस्थित रहे। शोधार्थी के शोध निर्देशक संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.बबलू पाल तथा सह-शोध निर्देशक हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्याम नन्दन की भी उपस्थिति रही । शोधार्थी शिवप्रसाद पाल ने अपने शोधविषय "नारदभक्तिसूत्र में भक्ति स्वरूप विमर्श" पर विस्तृत रूप से वर्तमान समय से उसकी प्रासंगिकता को बतलाते हुए विवरण प्रस्तुत किया। अन्त में सर्वसहमति से तीनों शोधार्थियों को बधाई देते हुए डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। इसमें विभागीय शोध समिति के मनोनीत सदस्य एवं वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो० शिरीष मिश्र, भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो० सुनील कुमार श्रीवास्तव के साथ ही हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव, हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ गोविन्द वर्मा, समाजकार्य के सहायक प्राध्यापक डॉ अनुपम वर्मा, समाजशास्त्र विभाग के प्रो० सुजीत चौधरी, समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ श्वेता, हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ आशा मीणा और डॉ गरिमा तिवारी के अतिरिक्त विभाग के सभी शोधछात्र एवं परास्नातक छात्र उपस्थित रहे।

"चम्पारण सत्याग्रह" बनी पहली फिल्म जिसके सभी कलाकार, लोकेशन व तकनीशियन केवल बिहार के

बीएनएम। मोतिहारी

युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट की फिल्म "चम्पारण सत्याग्रह" बिहार की पहली बनी, जिसके सभी कलाकार, लोकेशन और तकनीशियन केवल बिहार के लिए गए हैं। उपरोक्त बातें लेखक, अभिनेता व निर्देशक डा.राजेश अस्थाना ने उपस्थित मीडियाकर्मियों से कही। डा.अस्थाना ने बताया कि फ़िल्म "चम्पारण सत्याग्रह" के निर्माण के समय ही यह तय कर लिया गया था कि इस फिल्म में काम करने वाले सभी सेक्टर के लोग केवल बिहार के ही रहेंगे। उन्होंने बताया कि इसी वजह से फ़िल्म के लोकेशन, कलाकार, तकनीशियन के साथ साथ डबिंग आर्टिस्ट भी केवल बिहार के ही लिए गए हैं। फ़िल्म का पोस्ट प्रोडक्शन अंतिम चरण में है। ज्ञात हो कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में पहले असहयोग आंदोलन के रूप "चम्पारण सत्याग्रह'' का नाम स्वर्णाक्षरों में उल्लेखित है। आज की युवा पीढ़ी चम्पारण सत्याग्रह को न के बराबर जानती है। उन्हें यह मालूम नही है कि उनके पूर्वजों ने कितनी कुर्बानियां दी है। पूरी फ़िल्म सम्पूर्ण विश्व में चम्पारण के अतीत के अनछुए पहलुओं से रूबरू कराएगी। युवा फ़िल्मकार ई. युवराज द्वारा निर्मित "चम्पारण सत्याग्रह" की परिकल्पना, कथानक, स्क्रिप्ट, संवाद, अभिनय एवं निर्देशन का जिम्मा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त बिहार के चर्चित फिल्मकार डा. राजेश अस्थाना ने स्वयं संभाला है। फ़िल्म की सह निर्मात्री डा. सीमा रानी, अस्मिता राज, सुरभि श्रीवास्तव व अशोक सहनी हैं, तो गीतकार चम्पारण के ही गीतों के राजकुमार की उपाधि से विभूषित पंडित अश्विनी कुमार आँसू एवं डा. राजेश अस्थाना हैं। संगीतकार स्नेहाशीष शिबू देब हैं। फ़िल्म में डीओपी अशोक माही, कास्टिंग डायरेक्टर शहज़ाद खान, बिजनेस हेड आकाश मित्तल, प्रोडक्शन हेड सम्राट, स्थिर छाया रिंकू गिरी का है तो संपादन मुंबई में चर्चित फ़िल्म संपादक कृष्ण मुरारी यादव, पोस्ट प्रोडक्शन जी फोकस स्टूडियो मुम्बई, डी आई संपादन राज मिनरुल, वीएफएक्स रितेश, क्रोमा रविन्द्र कुमार, थ्री डी सुरेन्द्र पंडित, मिक्सिंग शाहनवाज़ एवं साउंड डिजाइन राजा यादव के हैं। वही बिजनेस हेड आकाश मित्तल, कला राज कुमार उपाध्याय, सहायक निर्देशक चन्दन झा, कंचन सिंह एवं बबिता श्रीवास्तव, प्रोडक्शन कंट्रोलर राममणि एवं चंदेश्वर, रूप सज्जा माइकल एवं श्वेता राज का है। कॉरपोरेट रूप में बन रही फ़िल्म "चम्पारण सत्याग्रह" सुप्रसिद्ध गाँधीवादी ब्रजकिशोर सिंह लिखित पुस्तक "चम्पारण में बापू" एवं डा. राजेश अस्थाना लिखित पुस्तक "चम्पारण सत्याग्रह गाथा" से संदर्भित है।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने डीईओ कार्यालय का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा मंगलवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा कार्यालय के सभी संभाग के बारे में सूक्ष्मता से जानकारी ली गई और लंबित कार्यों के तुरंत निष्पादन का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में कार्यालय परिसर में साफ-सफाई रखने, अर्ध निर्मित भवन का निर्माण अतिशीघ्र पूरा कराने, ई-शिक्षा कोष पर सभी छात्रों का डाटा अपलोड कराने, शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने, स्कूल इंस्पेक्शन का प्रतिवेदन ई-शिक्षा कोष पर अपलोड कराने का निर्देश दिया गया। कार्यालय निरीक्षण के दौरान स्पष्ट चेतावनी दी गई कि अगली निरीक्षण में शिक्षा विभाग के सभी कार्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा और आज के निरीक्षण में दिए गए सभी निर्देश का अक्षरशः पालन नहीं होता है तो नियमानुकूल कार्रवाई की जाएगी।

अबतक 15 शवो को किया गया बरामद शवों के निगरानी के लिए 30 जवानों को लगाया गया गंडक बराज पर

बीएनएम। बगहा। प्रकृति की अपनी गति और चाल के आगे मानव संसाधन फीका है। या यूं कहें कि अबतक की सारी उपलब्धियां बौनी हो जाती है जब प्रकृति अपने नियम को गति देती है। इसकी बानगी देखी गई नेपाल में जब नेपाल के नारायण घाट मुग्लिंग मार्ग पर शुक्रवार को भूस्खलन की वजह से यात्रियों से भरी दो बस त्रिशूली नदी में गिरकर बह गई । जिसमें तकरीबन 63 यात्रियों के मरने की आशंका है। रविवार को गंडक बराज नियंत्रण कक्ष वाल्मीकिनगर स्थित गंडक नदी से दो शव पाए गए, जिनका रेस्क्यू किया गया। इसके बाद नेपाल पुलिस लगातार नदी में नजर बनाए हुए है। इसी क्रम में सोमवार को भी 4 शव बहकर आए जिनका रेस्क्यू नेपाल एपीएफ ने किया है। इस तरह रविवार और सोमवार को मिलाकर नेपाल पुलिस, नेपाल एपीएफ और नेपाल आर्मी द्वारा भारतीय सीमा गंडक बराज के 6 नंबर फाटक एवं एचआर गेट से अब तक कुल 6 शवों को बरामद किया जा चुका है।जिसमें दो महिला और चार पुरुष का शव शामिल है। रेस्क्यू किए गए शवों को जिला अस्पताल नवल परासी अंत्य परीक्षण के लिए भेजा जा गया है।जहां परिजन आकर शवों की पहचान कर रहे हैं। बतातें चले कि अब तक 63 यात्रियों में से 15 लोगों का शव बरामद हो चुका है। जबकि 48 यात्रियों की खोज जारी है। नेपाल पुलिस के सब इंस्पेक्टर एम राय मांझी ने बताया कि 48 शवों का गंडक नदी में बहकर आने की आशंका जताई जा रही है। जिसके कारण नेपाल प्रशासन के तरफ से गंडक बराज पर रेस्क्यू करने के लिए तैयारियां की गई है।इस रेस्क्यू ऑपरेशन में पूरन बहादुर थापा नेपाल एपीएफ, नवीन पौडेल, लालजी यादव, डीपी यादव के नेतृत्व में लगभग 20 की संख्या में जवानों को नियुक्त किया गया है।

इंडो नेपाल सीमा गंडक बराज पर नेपाल एपीएफ और एसएसबी ने जॉइंट पेट्रोलिंग किया

बीएनएम। बगहा। इंडो नेपाल सीमा गंडक बराज पर नेपाल एपीएफ और एसएसबी के जवानों ने संयुक्त गश्ती किया।एसएसबी और नेपाल एपीएफ की संयुक्त पेट्रोलिंग दोनों देशों के सुरक्षा के लिए रूटीन गश्ती के तहत किया जाता है। इस पेट्रोलिंग के दौरान आने जाने वाले सभी गाड़ियों और आदमियों का गहन जांच किया गया। बतादें की देश सुरक्षा के मद्देनजर नारकोटिक्स,आर्म्स,मानव तस्करी, वन संपदा आदि की सघन जांच की गई। पेट्रोलिंग टीम में एसएसबी की तरफ से पार्टी कमांडर जयंत बोरा सहायक कमांडेंट,इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार मंडल साथ में स्वान दस्ता के 10 अन्य जवान शामिल थे। वही एपीएफ के टीम का पार्टी कमांडर एएसआई पूरण बहादुर थापा और अन्य 10 अन्य जवान शामिल थे। एसएसबी और एपीएफ की संयुक्त पेट्रोलिंग समय समय पर होती रहती है इससे दोनो देशों के बीच सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलती है और एक दुसरे से सूचना आदान प्रदान होती रहती है।

"खुशियों की पोटली" से होगा नव दम्पत्तियों की राह आसान

- स्वस्थ "पोटली" में महिला एवं पुरुषों के गर्भ निरोधक साधन
- महिला बंध्याकरण के साथ-साथ पुरुष नसंबदी पर भी जोर देने की जरूरत- सीएस
- बढ़ती जनसंख्या रोक के उपाय - सही उम्र में शादी सोंच कर बच्चे

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में बढ़ती जनसंख्या को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए सभी 27 प्रखंडो में स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार 31 जुलाई तक 'जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा" मनाया जा रहा है। गाँव, बस्तीयों में सारथी रथ व आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, के द्वारा नव दमपत्तियों से मिलकर महिलाओं को एकजुट करते हुए उन्हें विवाह के बाद की तुरंत परिवार न बढ़ाते हुए परिवार नियोजन सामग्रीयों की सहायता से कुछ समय इंतजार करने की बातें बताई जा रहीं है। सास-बहु सम्मेलन, चौपाल आयोजित करते हुए बताया जा रहा है की पहला बच्चा दो साल के बाद हीं हो,,,एवं पहले और दूसरे बच्चे के बीच का अंतराल कम से कम तीन साल रखने, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता की बातें भी बताई जा रहीं है।जिले में स्वास्थ्य विभाग व सेंटर फॉर कैटलाईजिंग चेंज (सी श्री) के द्वारा जिले में पंचायत प्रतिनिधियों एवं आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से नव दम्पत्तियों के बीच "खुशियों की पोटली" का वितरण किया जा रहा है सी श्री, संस्था के जिला प्रतिनिधि आदित्य राज ने बताया की उत्तरी ढेकहां पंचायत में 8 नव विवाहित दंपतियों को मुखिया सीता देवी और स्वास्थ्य प्रबंधक संध्या कुमारी, पंचायत रामसिंह छतौनी में 03 नव विवाहित दंपतियों को,पंचायत रूलही में कुल 04 नव विवाहित दंपतियों को, पंचायत उत्तरी ढेकहां में कुल 10 नव विवाहित दंपतियों को,पंचायत बासमनपूर में 02 नव विवाहित दंपतियों को पंचायत सिरसामाल में 11 नव विवाहित दंपतियों को "खुशियों की पोटली" का वितरण किया गया है। डीसीएम नंदन झा ने कहा की "खुशियों की पोटली" में महिला एवं पुरुषों के गर्भ निरोधक साधन (कंडोम, छाया, माला एन) के अलावा महिलाओं के श्रृंगार सम्बन्धी सामग्रियां जैसे की आइना, कंघी, हैण्ड टॉवल, फोटो फ्रेम इत्यादि एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम से सम्बन्धी लीफलेट एवं विवाह निबंधन प्रपत्र भी उपलब्ध है।.104 टोल फ्री नंबर पर कॉल कर नवदंपत्ति जानकारी भी ले सकते हैं।उन्होंने बताया की जिले के सभी सरकारी अस्पताल में अस्थायी व अस्थायी साधन उपलब्ध है।

महिला बंध्याकरण के साथ-साथ पुरुष नसंबदी पर भी जोर देने की जरूरतः- सीएस डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया की परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन जन तक पहुंचाने की जरूरत है, जागरूकता कार्यक्रम से ही बढ़ती जनसंख्या पर लगाम लगाया जा सकता है। महिला बंध्याकरण के साथ-साथ पुरुष नसंबदी पर भी जोर देने की जरूरत है। बच्चों में अंतर रखने के लिए कृत्रिम उपाय के लिए भी लोगों को जागरूक करना जरूरी है। सिविल सर्जन ने कहा शादी के लिए लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित है। इससे पहले विवाह होने पर कानूनी करवाई की जा सकती है।

अनुमंडल पदाधिकारी ने क्षतिग्रस्त तटबंध का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी अनुपम श्रेष्ठ के द्वारा मंगलवार को जिला के बंजरिया प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा कर सिकरहना नदी के जलस्तर एवं तटबंधों का निरीक्षण किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी के साथ कार्यपालक अभियंता, सिकरहना तटबंध प्रमंडल मोतिहारी भी उपस्थित थे। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा सर्वप्रथम सिसौनिया गांव के पास पुल का निरीक्षण कर वहां कटाव की स्थिति जानकारी प्राप्त की गई। यहां से आगे बढ़कर जटवा से जनेरुवा को जोड़ने वाले पथ पर कटाव का निरीक्षण किया गया और नदी का जलस्तर देखा गया। वहां पर जनेरुवा महादलित बस्ती में भी अनुमंडल पदाधिकारी ने भ्रमण किया और लोगों से मिलकर कटाव से संबंधित जानकारी प्राप्त की। यहां से निकलकर अनुमंडल पदाधिकारी ने सुंदरपर ग्राम का भ्रमण किया और लोगों से मिलकर सभी जरूरी जानकारी प्राप्त की। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा निरीक्षण के दौरान जो भी चीज पाया गया उसके संबंध में कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता को जरूरी निर्देश देते हुए कहा गया कि कटाव को नियंत्रित करने का कार्य किया जाए। सिकरहना नदी के जलस्तर और तटबंध पर लगातार नजर रखी जाए तथा स्थानीय लोगों से मिलकर अन्य सभी जानकारी प्राप्त की जाए एवं कहीं कोई परेशानी हो तो उसकी सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

नगर निगम बोर्ड करेगा अपने द्वारा पारित विभिन्न प्रस्तावों के अनुपालन की समीक्षाः गरिमा

महापौर ने नगर आयुक्त को दिया है 20 जुलाई को नगर निगम के सभागार में बैठक बुलाने का आदेश

बीएनएम। बेतिया

नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया के द्वारा नगर निगम के सभागार में आगामी 20 जुलाई को नगर निगम बोर्ड की सामान्य बैठक आहूत करने और तय समय से पूर्व सभी माननीय सदस्य और माननीय पदेन सदस्य गण तक इसकी सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने का निर्देश नगर आयुक्त शंभू कुमार को दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए महापौर ने बताया कि आगामी 20 जुलाई 2024 को अपराह्न 11:30 बजे से नगर निगम के सभागार में उनके द्वारा निर्धारित विचारणीय विषयों पर आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसके लिए जारी पत्र में श्रीमती सिकारिया ने उक्त बैठक की विधिवत सूचना सभी माननीय सदस्य और माननीय पदेन सदस्य के साथ सभी वांछित पदाधिकारी को समय से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। बैठक के लिए निर्धारित एजेंडे की जानकारी देते हुए महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम बोर्ड की विगत बैठक की संपुष्टि के बाद नगर निगम बोर्ड की विगत बैठकों में पारित प्रस्ताव और निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा और विचार का विषय निर्धारित है। इसके साथ ही नगर निगम क्षेत्र में जारी विकास कार्यों के कार्यान्वयन की समीक्षा और नई योजनाओं को पारित करने पर विचार करने का विषय महापौर श्रीमती सिकारिया के स्तर से निर्धारित किया गया है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

जिले के कैंसर मरीजों के लिए खुशखबरी : सी ब्लॉक् के चौथी मंजिल पर जल्द होगी कीमोथेरेपी

- अब पटना या अन्य जगह भटकने की जरूरत नहीं
- जिले के सभी प्रखंडो में कैंसर मरीजों के पहचान को होती है स्क्रीनिंग

बीएनएम। बेतिया

पश्चिमी चंपारण जिले के कैंसर मरीजों के लिए खुशखबरी है, उन्हें अब बेतिया मेडिकल कॉलेज के सी ब्लॉक् के चौथी मंजिल पर जल्द कीमोथेरेपी की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध हो सकेगी- ये बातें जिले के गैरसंचारी रोग पदाधिकारी डॉ मूर्तजा अंसारी ने बताई है। उन्होंने बताया की इसको लेकर जिला स्तर पर कई प्रकार से तैयारियाँ की जा रहीं है। उन्होंने बताया की "डे केयर कीमो थेरेपी"के लिए जीएमसीएच बेतिया के अधीक्षक डॉ सुधा भारती का बड़ा योगदान है। उन्होंने इसके लिए कमरा भी आवंटित कर दिया है, ताकि शीघ्र से शीघ्र कीमोथेरेपी की सुविधा कैंसर मरीजों को दी जा सकें, इसके लिए उन्हें अब पटना या अन्य जगह भटकने की जरूरत नहीं होगी।इस कार्य की जल्द शुरुआत करने को लेकर जिले के सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति बेतिया में जिला स्तरीय अधिकारीयों की बैठक हुई। वहीं राज देवड़ी स्थित भवन में एएनएम, जीएनएम ,बीसीएम,आशा फैसिलिटेटर व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की कार्यशाला आयोजित की गईं जिसमें अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा, संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मूर्तजा अंसारी ने कई महत्वपूर्ण बातें बताई।उन्होंने एनपी / एनसीडी की समीक्षा की एवं सीबीएसी की फैमिली फोल्डर के साथ स्क्रीनिंग के बारे में समीक्षा की।डॉ अंसारी ने बताया की भविष्य में भी स्क्रीनिंग कार्य सुचारु रूप से हो ताकि पश्चिमी चम्पारण जिले को राज्य में बेहतर स्थान प्राप्त हो सकें।

सभी प्रखंडो में कैंसर मरीजों के पहचान को होती है स्क्रीनिंगः डॉ मूर्तजा अंसारी ने बताया की जिले के सभी 18 प्रखंडो में कैंसर मरीजों के पहचान को मेडिकल कैंप लगाकर स्क्रीनिंग की जाती है, वहीं उसकी निगरानी उनके एवं विभागीय टीम द्वारा की जाती है।उन्होंने बताया की कैंसर एक असाध्य रोग है परन्तु अगर समय से पहचान हो तो इलाज द्वारा इसे मात दिया जा सकता है। डॉ मूर्तजा अंसारी ने कहा की धूम्रपान का अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, समय से पहले मृत्यु का कारण बनते हैं। भारत में तम्बाकू के कारण मृत्यु दर 1.3 मिलियन से अधिक होने का अनुमान है। इनमें से, दस लाख लोग तम्बाकू धूम्रपान के कारण और शेष लोग धूम्रपान रहित तम्बाकू के उपयोग के कारण होते हैं। इसके अलावा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) द्वारा 2004 तक प्रकाशित साहित्य के विश्लेषण के आधार पर "गैर-संचारी रोगों के कारण रोगों के बोझ का आकलन" शीर्षक से किए गए अध्ययन

के अनुसार, तम्बाकू के उपयोग के कारण होने वाली बीमारियों का जोखिम क्रमशः स्ट्रोक (78%), तपेदिक (65.6%), इस्केमिक हृदय रोग (85.2%), तीव्र रोधगलन (52%), एसोफैजियल कैंसर (43%), मौखिक कैंसर (38%) और फेफड़ों के कैंसर (16%) के लिए था।एनसीडीओ डॉ अंसारी ने बताया की 'भारत में तम्बाकू से संबंधित बीमारियों के आर्थिक बोझ' पर रिपोर्ट (2014) के अनुसार, भारत में सभी गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) से संबंधित मौतों में से 80% से अधिक चार प्रमुख बीमारियों के कारण होती हैं, जैसे हृदय रोग; कैंसर; पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियाँ और मधुमेह। भारत में तम्बाकू के कारण मृत्यु दर 13.5 लाख से अधिक होने का अनुमान है (वैश्विक वयस्क तम्बाकू सर्वेक्षण पर रिपोर्ट, 2016-17)। यदि वर्तमान रुझान जारी रहे और यदि तम्बाकू की खपत को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो अनुमान है कि वर्ष 2020 तक, भारत में हर साल होने वाली सभी मौतों में से 13% मौतें तम्बाकू के उपयोग से होगी।भारत सरकार ने लोगों को तम्बाकू छोड़ने हेतु आवश्यक जानकारी देने के लिए के लिए 1800 112 356 (टोल फ्री) पर कॉल करें या 011-22901701 पर मिस्ड कॉल करने पर इस सम्बन्ध में जानकारी दे रही है।मौके पर जिले के सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा, संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मूर्तजा अंसारी डॉ वसुंधरा प्रियदर्शनी, डॉ सोनाली प्रिय, दिवाकर कुमार सिँह,व अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नवविवाहिता की हत्या कर शव जलाया, आरोपी पति गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया। नवविवाहिता की हत्या कर शव जला देने का मामला प्रकाश में आया है। हत्या का आरोप ससुरालवालों पर लगा है। मृतका थाना क्षेत्र के बैशखवा के रंजन कुमार की 20 वर्षीय पत्नी सीमा कुमारी थी। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। इस बाबत मृतका के नाना साहेबगंज थाना क्षेत्र के भगवानपुर निवासी ब्रह्मदेव ठाकुर ने थाना में आवेदन देकर पति सहित चार लोगों को आरोपित किया है। बताया है कि उनकी नतिनी सीमा की शादी रंजन से वर्ष 2023 में हुई थी। क्षमता के अनुसार उपहार भी दिया था। लेकिन सीमा के ससुराल वालों द्वारा दहेज के रूप में पाँच लाख रुपया की मांग की जाने लगी। जिसे पूरा नहीं करने पर उनकी नतिनी के साथ मारपीट किया जाता था। जिसको लेकर पंचों द्वारा कई बार समझौता भी कराया गया था। सोमवार की देर रात सीमा की हत्या उसके पति, ससुर, सास व अन्य द्वारा कर शव को जला दिया गया है। सीमा करीब आठ माह की गर्भवती थी। इधर, थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

अप्रोच पथ को लेकर भूमि अधिग्रहण का आदेश

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया पंचायत के वार्ड संख्या 13 में अप्रोच पथ के लिए भूमि अधिग्रहण का आदेश हुआ है। उक्त आदेश जिला लोक शिकायत प्राधिकार ने रामपुर कोडर निवासी कमरुल इस्लाम के परिवाद की सुनवाई के क्रम में दी है। प्राधिकार ने इस कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन कार्यालय को जमा कराने को कहा है।परिवादी ने उक्त वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्र से मो असदुल्लाह के बथान तक बहुत पुरानी बस्ती होने की बात बतायी है। जिसके आने जाने के लिए आपसी सहमति से मामूली रास्ता है। विवाद होने पर उक्त रास्ता बंद होने की संभावना हो जाती है। इसको देखते हुए परिवादी ने उक्त बस्ती के लिए सड़क बनाने की मांग की है।

मूहर्रम को लेकर पुलिस ने किया फ्लेग मार्च

बीएनएम। हरसिद्धि। मूहर्रम पर्व को लेकर स्थानीय पुलिस ने शांति कायम रखने हेतु प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में फ्लैग मार्च किया फ्लैग मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय ने किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि हर हाल में मुहर्रम पर मैं शांति कायम रखने के लिए प्रयास किया जा रहा है। जिसको लेकर विभिन्न गांव में हरपुर खोड़ीपाकड़, सेवराहा, मानिकपुर, हरसिद्धि में फ्लैग मार्च कर लोगों को शांति का संदेश दिया गया। थानाध्यक्ष श्री राय ने बताया कि कहीं भी कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी सूचना तुरंत थाना को दें। थाना अध्यक्ष ने मुहर्रम के सभी गांव का रूट चार्ट उपलब्ध कराते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी जिसस गांव में जाएंगे। वहां शांतिपूर्वक मोहर्रम पर्व को मनाने का अपील करेंगे।

विधि-व्यवस्था को लेकर निकाला फ्लैग मार्च

बीएनएम। केसरिया। मुहर्रम पर्व की पूर्व संध्या पर मंगलवार को थानाध्यक्ष के नेतृत्व में क्षेत्र में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में विधि-व्यवस्था कायम रखना है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि मुहर्रम पर्व में विधि-व्यवस्था के मद्देनजर क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया। इसके माध्यम से लोगों से शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम पर्व का आयोजन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट डालने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। फ्लैग मार्च में एसआई संजीत कुमार, एसआई अरुण कुमार यादव, एसआई बादशाह चौहान, पीएसआई अंजू कुमारी, पीएसआई राजीव रंजन कुमार सहित सशस्त्र शामिल रहे।

वीटीआर जंगल में दर्जनों सांपों की प्रजातियों में 5 नए प्रजातियों को चिन्हित किया गया

बीएनएम। बगहा

वीटीआर जंगली जीवों की विविधताओं से भरा पड़ा है।अद्भुत और अविश्वसनीय जीवो के परिवेश में सांपों को लेकर एक्सपर्टों की अपनी राय है। बतादें की बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में दर्जनों सांप की प्रजातियां पाई जाती हैं। विगत कुछ वर्षों में वाइल्ड लाइफ ऑफ इंडिया और वन विभाग ने तकरीबन 5 नए प्रजाति के सांपों को चिन्हित किया है जो वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के अलावा बिहार के किसी अन्य जिलों में नहीं देखे गए हैं। इन सांपों का नाम कॉपर हेडेड ट्रिंकेट या वनसुंदरी,ट्विन स्पॉटेड वोल्फ स्नैक,ड्रुमलिएस ब्लैक हेडेड,मॉक वाईपर, सालाजार स्नैक पिट वाईपर है। सुखद खबर यह है की ये पांचों सांप नॉन वेनोमस यानी विष हीन यानी जहरीले नहीं हैं।

वहीं वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में जहरीले सांपों की बात करें तो किंग कोबरा,स्पेक्टिकल कोबरा, यानी गेहुअन रसेल वाइपर,करैत और बाम्बू पिट वाइपर प्रमुख पांच प्रजाति के बेहद जहरीले सांप पाए जाते हैं जिनके काटने या डंसने से समुचित इलाज के अभाव में तत्काल मृत्यु हो जाती है। न्यूज यानी नेचर एनवायरनमेंट वाइल्ड लाइफ सोसायटी के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक

बताते हैं की वाल्मीकि टाइगर रिजर्व सांपों के हॉट स्पॉट के रूप में उभरा है। यहां पहली बार बर्मीज पायथन देखने को मिला। इसके अलावा वनसुंदरी,ट्विन स्पॉटेड वोल्फ स्नैक, ड्रमिलिएस ब्लैक हेडेड,मॉक वाईपर,सालाजार पिट वाईपर पाए गए। अभिषेक ने बताया की इसमें से कोई भी सांप जहरीला नहीं है। क्योंकि भारत में बिग फोर की श्रेणी में महज चार सांप आते हैं जो बेहद जहरीला होते हैं। इसमें से एक बिहार में नहीं पाया जाता। ये चार जहरीले सांप क्रमशः बिग फोर स्पेक्टिकल कोबरा,रसेल वाइपर,कैरत,सॉ सकेल वाईपर है। इनमें से सॉ सकेल वाइपर बिहार में नहीं पाया जाता है। बतादें की वीटीआर में बड़े पैमाने पर अजगर,गेहुअन,करैत ,रसेल वाइपर,किंग कोबरा,वन सुंदरी और तक्षक नाग देखे जाते हैं। ये सांप अमूमन रिहायशी इलाकों में लोगों के घरों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे में न्यूज के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक का कहना है की सांपों को मारे नहीं और ना ही उनके साथ छेड़ छाड़ करें। सांप तभी हमलावर होते हैं जब उन्हें किसी से खतरे का आभास होता है। साथ ही यदि सांप काट ले तो झाड़ फूंक की बजाय तत्काल नजदीकी अस्पताल में जाकर इलाज कराएं। अभिषेक ने विश्व सर्प दिवस पर लोगों को जागरूक करते हुए कहा की सांप परिस्थिति तंत्र के लिए बहुत जरूरी हैं। इनसे पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण को बैलेंस रखने में मदद मिलती है।

वरीय पत्रकार तीर्थराज कुशवाहा का निधन

बीएनएम। बेतिया

टाइम्स आफ इंडिया के वरिष्ठ संवाददाता तीर्थराज कुशवाहा के निधन पर वरिष्ठ पत्रकार अभय मोहन झा, मोहन सिंह, डॉक्टर अमानुल हक, प्रेमचंद पांडे ,अंशुल वारा , गणेश वर्मा, सुनील आनंद ,सतेंद्र नारायण शर्मा, अमिताभ रंजन, संदीप भास्कर, अजय मिश्रा , प्रोफेसर एसके शुक्ला, मुन्ना राज, मृदुल मयंक, घनश्याम, आशुतोष बरनवाल, कुंदन पांडे , कैलाश यादव आदि पत्रकारों ने श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। पत्रकारों ने कहा है कि स्व0 कुशवाहा हमलोगों के बीच अब नहीं रहे लेकिन पत्रकारिता जगत में दिए उनके योगदान को कोई भुला नहीं सकता। इनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है। ईश्वर उनके परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति दे। उन्होंने पत्रकारों के संरक्षक के रूप में भी अपनी भूमिका बखूबी निभाई और जनता की समस्याओं को लेकर मुखर रहे। विवेक निर्भीक निष्पक्ष एवं साहसिक पत्रकार के रूप में अपना छाप छोड़ गए हैं जिन्हें युगों युगों तक याद किया जाता रहेगा, जो पश्चिमी चंपारण के पत्रकारों के बीच एक मिसाल होगा । पश्चिम चंपारण प्लीज क्लब के अध्यक्ष मोहन सिंह ने कहा है कि उनके साहसिक और निर्भीकता का ही परिणाम था कि 1987 में एकादशी विरोध द्वारा उनका अपहरण कर लिया गया था जो बिहार एवं

पश्चिमी चंपारण में किसी पत्रकार की पहले अपहरण था। उनके अपहरण के बाद बिहार से लेकर केंद्र तक खलबली मच गई थी। उसे समय के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार गुप्ता द्वारा अथक प्रयास और संघर्ष के बाद उन्हें दस्यु गिरोह के चंगुल से छुड़ाया जा सका। उस पश्चिम चंपारण एक ही पुलिस जिला था। उनको मुक्त करने में जिले के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय राम अवतार प्रसाद वर्मा स्वर्गीय उपेंद्रनाथ तिवारी स्वर्गीय पीसी दुबे स्वर्गीय जटाशंकर सिंह स्वर्गीय हरविलास सिंह सुशील झा मोहन सिंह आदि का संघर्ष पूर्ण योगदान भी रहा। जिसके कारण उनको मुक्त करने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जा सका।वहीं पत्रकार के के मिश्रा डॉ अमानुल हक,शिव शंकर सत्यार्थी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि बगहा में पत्रकारिता के मजबूत स्तंभ के रूप में इनको हमेशा याद किया जायेगा।

मझौलिया में मनरेगा में अनियामितता को लेकर जिलाधिकारी को दिया आवेदन

बीएनएम। बेतिया(मोहन सिंह)

मझौलिया प्रखंड के सरिसवा पंचायत में मनरेगा कार्य में घोर अनियमतीता उजागर होने का मामला प्रकाश में आया है। इसको लेकर पंचायत के मंतोष कुमार, रंजीत कुमार, राधेश्याम दास, वीरेंद्र कुमार, नितेश्वर तिवारी,दिवेन्द्र तिवारी, रिपु देवी, रीता देवी,अशोक कुमार, हरिशंकर कुमार, अरविंद महतो, राजू कुमार, सुभाष कुमार, शक्तिनाथ शर्मा, बिनोद कुमार, गोबिंद कुमार, सूरज कुमार, बिहारी दास, रोजन मांझी, रामजी दास, रामबालक प्रसाद, झखड़ दास, लालबाबू तिवारी, धीरज तिवारी आदि दर्जनों लोगों ने जिला पदाधिकारी को एक हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर सरिसवा पंचायत के रोजगार सेवक अखिलेश प्रसाद के विरुद्ध जांच कराकर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।पंचायत के लोगों ने बताया कि मनरेगा योजना में बिना कार्य किये हमलोगों के खाते में रुपया भेजा गया है और रोजगार सेवक हमलोगों के घर पर आकर रुपया ले जाते हैं, आवेदन में लिखा गया है कि सरकारी नौकरी करने वालों के खाते में बिना कार्य किये रुपया भेजा गया है।यह बहुत ही घोर अनियमितता है।पंचायत वासियो ने बताया कि बिना कार्य किये ही आज भी नहर और पोखरा के सफाई में कार्य का हाजरी बन रहा है जबकि अभी बरसात के मौसम में पोखरा और नहर जलमग्न है। इस संदर्भ में मनरेगा पदाधिकारी नीरज कुमार पांडे ने बताया कि जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

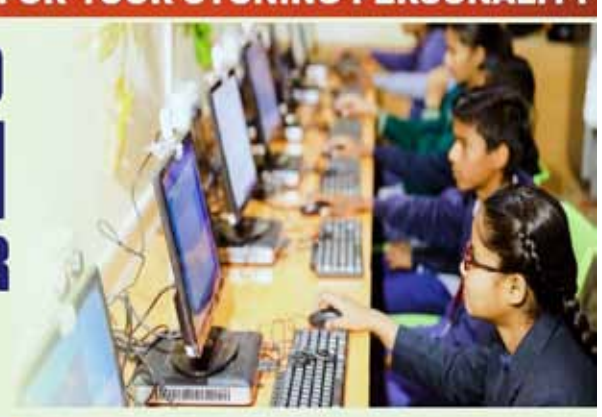

Tally Prime
ADCA
DCA
CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

चिंतन मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता ê 2369?भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाले रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

संविधान हत्या दिवस की आवश्यकता क्यों

मृत्युंजय दीक्षित

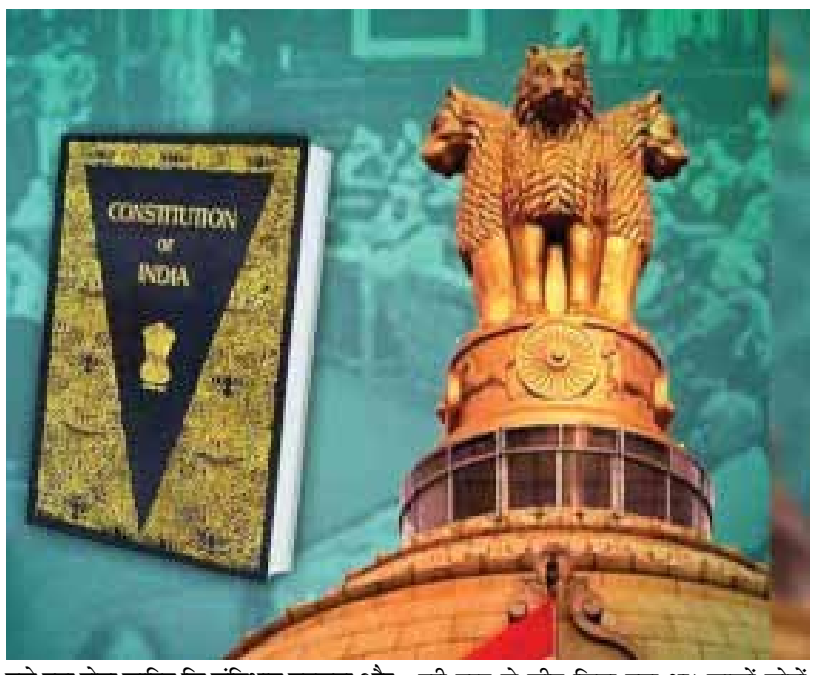

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन ने एक झूठा नैरेटिव व्यापक स्तर पर चलाया था कि अगर केंद्र में नरेन्द्र मोदी इस बार 400 सीटों के साथ सरकार बनाने में सफल हो जाते हैं तो संविधान बदल दिया जाएगा तथा भविष्य में फिर कोई चुनाव नहीं होगा। इस झूठ ने चुनाव को प्रभावित किया और भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत नहीं ला पाई। चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र में इंडी गठबंधन के नेता संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते दिखाई दिए। संविधान की सुरक्षा को लेकर देश में तीखी राजनीतिक बहस चल रही है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव और शशि थरूर आदि ने संविधान के इसी पॉकेट साइज संस्करण को हाथ में लेकर शपथ ली। विपक्ष का इरादा आगामी विधानसभा चुनाव में भी संविधान की रक्षा करने का नैरेटिव चलाने का है, क्योंकि अब उसे लग रहा है कि संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र की रक्षा के झूठे नैरेटिव के सहारे ही भाजपा का विजय रथ रोका जा सकता है। संविधान की रक्षा के नाम पर दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों आदि को भाजपा से दूर किया जा सकता है। इस वर्ष देश को कांग्रेस द्वारा आपातकाल के अंधेरे में झोंकने के भी पचास वर्ष हो रहे हैं । संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते लोगों को वास्तविकता का स्मरण कराते हुए संसद के प्रथम संक्षिप्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को याद करते हुए कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष को आईना दिखा दिया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में आपातकाल को सबसे बड़ा काला अध्याय बताया था। आपातकाल कांग्रेस व उसके सहयोगियों की एक दुखती रग है। लोकसभा अध्यक्ष आपातकाल की भर्त्सना का प्रस्ताव लाए और सदन में दो मिनट का मौन रखा। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश की राजनीति के सबसे काले अध्याय आपातकाल से वर्तमान और भारी पीढ़ियों को अवगत कराने के लिए अब केंद्र सरकार ने प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेते हुए इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय है, क्योंकि जन सामान्य जिसने आपातकाल का दौर नहीं देखा उसे पता होना चाहिए कि संविधान बदलना और उससे खिलवाड़ करना वास्तव में क्या होता है, जो कांग्रेस ने आज से पचास साल पहले किया था। संविधान हत्या दिवस की अधिसूचना आने के बाद अब हर वर्ष 25 जून को कांग्रेस के काले कारनामे जनता को याद दिलाए जायेंगे स्वाभाविक है इससे कांग्रेस और इंडी गठबंधन असहज है और अनापशनाप बयानबाजी कर रहा है। प्रियंका गांधी वाड्रा से लेकर शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे गुट के संजय राऊत तक सभी बहुत ही विकृत बयान दे रहे हैं। इनका कहना है कि जिस घटना को 50 वर्ष हो चुके हैं भाजपा उसे क्यों याद रखना चाहती है? इनका तर्क माने तो फिर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस भी नहीं मनाना चाहिए क्योंकि उसके तो पचहत्तर वर्ष बीत गए हैं ? कुतर्क कांग्रेस का चरित्र बन गया है। वास्तविकता यह है कि 25 जून हर उस व्यक्ति और परिवार के घाव पर मरहम लगाने और स्मरण करने का दिन है जो इंदिरा गांधी की सत्ता लोलुपता के लिए लगाए गए आपातकाल की क्रूरता का पीड़ित है। इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए जिस तरह संविधान का गला घोंटा था वह संविधान की हत्या के रूप में ही याद किया जा सकता है। उस दौरान देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूरी तरह से छीन लिया गया था। लाखों लोगों को बिना कारण जेल भेज दिया गया था। जेल में लोगों पर क्रूर अमानवीय अत्याचार किए गए थे। लाखों परिवारों को आपातकाल में अथाह दुःख सहन करना पड़ा था। इस दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं ने भयंकर भ्रष्टाचार किया और देश की संपत्ति को अंग्रेजों और मुगल आक्रमणकारियों की तरह लूटी गई। चाहे फिल्म और संगीत जगत रहा हो या समाचार जगत या फिर राजनीति कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा था जहां आपातकाल के अत्याचार न पहुंचे हों। डर और कुंठा के उस माहौल को क्यों भूल जाना चाहिए? देश को पता चलना चाहिए कि आपातकाल और तानाशाह क्या होता है जिससे कोई भी व्यक्ति कभी भी इंदिरा गांधी जैसी हरकत दोबारा न कर सके। जो सबसे जघन्य अपराध संविधान के साथ हुआ वह था उसकी आत्मा की हत्या करके उसकी प्रस्तावना में पंथ निरपेक्ष और समाजवाद शब्द जोड़ा जाना, यह तुष्टीकरण का सबसे घृणित उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हिटलर कहने वाली कांग्रेस की रग-रग में तानाशाही भरी है। एक समय था जब कांग्रेस समाज के हर वर्ग को अपनी इच्छा के अनुरूप ही नियंत्रित करती थी फिर वह चाहे कार्यपालिका हो, न्यायपालिका या फिर मीडिया और मनोरंजन जगत। राज्यों में गैरकांग्रेसी सरकारों को ताश के पत्तों के घर की तरह गिरा दिया जाता था। कांग्रेस ने केवल 25 जून को ही संविधान की हत्या नहीं की अपितु कई अवसरों पर संविधान का गला घोंटा। गांधी परिवार ने कई बार देश की न्यायपालिका के आदेशों को खारिज करवाया जिसमें शाहबानो प्रकरण की चर्चा अभी भी हो रही है। कांग्रेस के आपातकाल में सबसे अधिक संविधान संशोधन किए गए थे और जमकर मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल भी खेला गया। राहुल गांधी अपने पूर्वजों की राह पर चलते हुए वर्तमान समय में भी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं और देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अठारहवीं लोकसभा के के प्रथम सत्र में देश के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री को बोलने से रोकने के लिए गजब का हंगामा किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वयं सांसदों को वेल में जाकर हल्ला मचाने को बाध्य किया। ये किसी भी स्थिति में स्वस्थ लोकतंत्र का परिचायक नहीं है और कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता दिखता है । कुछ लोग संविधान हत्या दिवस नामकरण का विरोध कर रहे हैं कि यह नाम उचित नहीं है जबकि यह नाम पूरी तरह से सही भी है और एकदम सटीक भी क्योंकि कांग्रेस लगातार संविधान की हत्या ही करती आ रही है। 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या के विवादित ढांचे के टूट जाने के बाद भाजपा शासित चार राज्यों की चुनी हुई सरकार को बिना कारण बर्खास्त कर दिया गया था। शिवसेना नेता संजय राऊत तो दो कदम आगे निकलकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी पर ही आरोप लगा रहे हैं कि वह भी आपातकाल लगा सकते थे। संजय राऊत यह बात भूल गए हैं कि यह अटल जी ही हैं जिन्होंने गठबंधन राजनीति में भी शुचिता की पराकाष्ठा स्थापित की और किसी भी प्रकार का गलत गठबंधन नहीं किया, अपितु अपनी सरकार के एक वोट से गिरने पर सीधे इस्तीफा देने राष्ट्रपति भवन चले गये थे। केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करके एक तीर से कई निशाने साधे हैं । इससे जहां एक और कांग्रेस असहज हुई है वहीं जो लोग केंद्र सरकार को बहुत कमजोर समझ रहे थे वो भी सकते में हैं साथ ही आपातकाल के बाद जन्मी पीढ़ी इसके विषय में जानने को उत्सुक दिख रही है ।

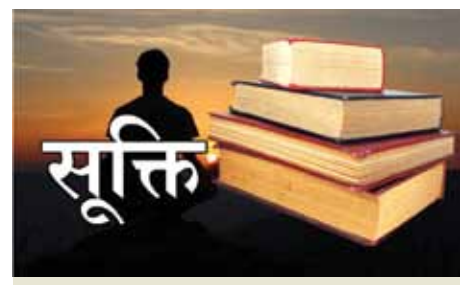

हमे एक दूसरे के साथ चेहरे पर मुस्कान के साथ मिलना चाहिए क्योंकि यही से प्यार की शुरुआत होती है।
-मदर टेरेसा

निषेध से आकर्षण बढ़ता है। जिस चीज का इंकार किया जाए,उसमे एक तरह का रस पैदाहोना शुरू हो जाता है।
- ओशो

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, अषाढ़ शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि एकादशी, बुधवासरे, अनुराधा नक्षत्रे, शुभ योगे, वल करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभीमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनीमानी, उत्तम व्यापारी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, सुंदर, सुशील, कोमल हृदय, दयालु होगा।

मेष राशि :- बढ़िया यात्रा, विवाद, मातृ-कष्ट, व्यय, विरोध होगा किन्तु आर्थिक हानि होगी।

वृष राशि :- धन व्यय, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य होंगे, परिणाम अनुकूल बने रहेंगे।

मिथुन राशि :- पितृ-कष्ट, यात्रा, रोग, व्यय, लाभ, अशांति का वातावरण अवश्य बनेगा।

कर्क राशि :- यात्रा सुख, भूमि-खेती लाभ, हर्ष, कार्य सिद्धि, गृहकार्य की व्यवस्था पूर्ण होगी।

सिंह राशि :- शत्रु कष्ट, भय, प्रवास, विरोध, लाभ, उद्योग-व्यापार में लाभ, कार्य अवश्य सफल होंगे।

कन्या राशि :- लाभ, सिर-नेत्र पीड़ा, यात्रा परेशानीयुक्त होगी, समय का ध्यान रखें।

तुला राशि :- सुख-सफलता, निर्माण कार्य, प्रवास, राजकार्य, व्यापार-व्यावस्था से लाभ होगा।

वृश्चिक राशि :- मानसिक तनाव आकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों की सहानुभूति अवश्य रहेगी।

धनु राशि :- व्यावसाय की उन्नति से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, विरोध होगा।

मकर राशि :- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारी वर्ग का लाभ अवश्य होगा, ध्यान दें।

कुंभ राशि :- इष्ट-मित्रों से अच्छा सहयोग मिले, उत्तम लाभ के योग अवश्य बनेंगे, समय का ध्यान रखें।

मीन राशि :- गृह कलह, हीन मनोवृत्ति, शारीरिक पीड़ा तथा परेशानी बढ़ेगी, ध्यान रखें।

आतंक के विरुद्ध जिहाद की सबसे बड़ी मिसाल है करबला

तनवीर जाफ़री

इन दिनों पूरे विश्व में इस्लामिक कलेण्डर के पहले महीने यानी माह ए मुहर्रम के दौरान इस्लामी इतिहास की शहादत की सबसे अज़ीम घटना को याद किया जा रहा है। लगभग 1450 वर्ष पूर्व 10 अक्टूबर 680 अथवा इस्लामिक कलेण्डर के अनुसार 10 मुहर्रम 61 हिजरी को इराक़ के करबला क्षेत्र में इसी मुहर्रम महीने के दौरान स्वयं को मुसलमान कहने वाले एक अधर्मी शासक यज़ीद इब्ने मुआविया ने पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन व उनके पूरे परिवार को क़त्ल करने का आदेश अपनी लाखों की सेना को दिया था। उधर हुसैन ने अपने 72 परिजनों व सहयोगियों के साथ दसवीं मुहर्रम को कर्बला में तेज़ गर्मी के तपते रेगिस्तानी मैदान में तीन दिनों तक भूखे व प्यासे रहते हुये अपनी व अपने परिवार के अनेक लोगों की बेशक़ीमती शहादत देकर यह साबित किया था कि हज़रत मोहम्मद के परिजनों व इस्लाम के वास्तविक वारिसों द्वारा अहंकारी ,अधर्मी,अय्याश व क्रूर शासक को कभी भी इस्लामी साम्राज्य के शासक के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती। करबला के मैदान में हज़रत इमाम हुसैन ने अपनी,अपने छः महीने के मासूम बच्चे अली असग़र जवान बेटे अली अकबर व भाई अब्बास जैसे बहत्तर साथियों को अधर्म के विरुद्ध जिहाद बोलते हुये क़ुर्बान किया इन शहादतों की कोई दूसरी मिसाल नहीं है। उधर दूसरी तरफ़ यज़ीद व उसकी सेना द्वारा यहीं पर क्रूरता का वह इतिहास रचा गया जिसकी दूसरी मिसाल पूरी पृथ्वी पर कहीं नहीं मिलती। यही वजह है कि दास्तान - ए - करबला को ग़लत(बातिल) के विरुद्ध सत्य (हक़) के लिए संघर्ष और अन्याय और झूठ के खिलाफ़ न्याय और सत्य के लिए बलिदान के प्रतीक के रूप में हमेशा जाना जाता रहेगा। करबला में इमाम हुसैन ने अपनी क़ुर्बानी देकर पूरे विश्व के सभी धर्मों व सम्प्रदाय के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसीलिये आज पूरी पृथ्वी पर हज़रत हुसैन के चाहने वाले व उनका ग़म मनाने वाले मिल जायेंगे। आज इस्लाम को बदनाम करने व इसपर आतंकवाद का लेबल चिपकने की विश्वव्यापी कोशिशें की जा रही हैं। ऐसे में इस बहस पर चर्चा होना लाज़िमी है कि इस्लाम का वास्तविक संरक्षक व मार्गदर्शक कौन है ? क्या सिर पर इस्लामी टोपी पहनने से,क़ुरआन की आयतें पढ़ने से,हाफ़िज़ व क़ारी बनने से,मुफ़्ती व मौलवी कहलाने से अज़ान,नमाज़ व रोज़े अदा करने,कलमा पढ़ने,हज,ज़कात अदा करने आदि के आधार पर किसी को सच्चा मुसलमान कहा जा सकता है ? यदि मुसलमान होने के लिये उपरोक्त दलीलें काफ़ी हैं फिर तो करबला में यज़ीदी सेना के सिपाही व अधिकारी भी उस समय के नमाज़ी,क़ारी,कल्मागो,हाजी,हाफ़िज़ व रोज़दार थे ? यदि यही बातें किसी को सच्चा मुसलमान बनाती हैं फिर तो अलक़ायदा में भी सभी लंबी दाढ़ी रखने वाले नमाज़ी व हाजी,हाफ़िज़ क़ारी मिलेंगे ? आई एस आई एस में भी ऐसे ही वेशधारी मुसलमान मिल जायेंगे ? फिर तो क्रूर तालिबानियों का भी सच्चा मुसलमान कहने का दवा सही है ? पाकिस्तान से लेकर भारत व बांग्लादेश और भी कई देशों में ऐसे ही संगठनों द्वारा इस्लाम व मुसलमान के नाम पर किये जा रहे आतंकी हमलों को भी क्या इस्लामी शिक्षा से प्रेरित कहा जा सकता है ? जैसा कि वैश्विक स्तर पर प्रयास भी किया जा रहा है ? जी नहीं, यज़ीद से लेकर अलक़ायदा,आई एस और तालिबानों जैसे अनेक आतंकी संगठन सभी लगभग एक ही विचारधारा से प्रेरित हैं। यह इस्लाम और मुसलमानों का नाम केवल इसलिये लेते हैं ताकि इस्लामी जगत को धोखे में रखकर उसका नैतिक समर्थन हासिल किया जा सके । इनका वजूद पूर्णतयः राजनैतिक मक़सदों को हासिल करने के लिये है। इन्हें सत्ता चाहिये और सत्ता का विस्तार चाहिये। करबला में हज़रत हुसैन ने अपने समय के सर्वशक्तिशाली चरित्रहीन सीरियाई शासक यज़ीद को इस्लामी शासक के रूप में मान्यता देने व उसे इस्लामी शासक स्वीकार करने से इसीलिये इनकार कर दिया था ताकि इतिहास इस बात का गवाह रहे कि हज़रत मुहम्मद के इस्लामी सिद्धांत किसी दुश्चरित्र अपवित्र अहंकारी व ज़ालिम बादशाह को इस्लामी सल्तनत का बादशाह स्वीकार करने की क़तई इजाज़त नहीं देते। इसीलिये हज़रत हुसैन ने इस्लामी मूल्यों की रक्षा के लिये यज़ीदी आतंक व यज़ीदी विचारधारा के विरुद्ध जिहाद किया था। नतीजतन हज़रत हुसैन को अपने पूरे कुंबे की क़ुरबानी देनी पड़ी थी ? आज भी दुनिया के अनेक देश या तो आतंकी संगठनों की गिरफ़्त में हैं,या वहां ऐसी ही विचारधाराओं के लोग सत्ता में हैं। और जिस वर्ग का भी व्यक्ति या जमाअत इन्हें बेनक़ाब करती है, जो भी इनका यज़ीदी कनेक्शन सार्वजनिक करते हैं यह उनकी जान के दुश्मन बन जाते हैं।

पाकिस्तान में भुट्टो का इतिहास दोहराने की तैयारी तो नहीं

डॉ हिदायत अहमद खान

पाकिस्तान में लोकतंत्र की दुहाई देने वालों का सदा से यह रोना रहा है कि सेना के बूटों तले लोकतांत्रिक सरकारों के कुचले जाने के बाद मुल्क में लोकतंत्र सिर्फ सांसे लेने के लायक ही बचा रहता है। दूसरी तरफ आतंकियों द्वारा नेताओं की सरेआम हत्याओं के चलते भी पाकिस्तान में लोकतंत्र सहमा नजर आता है। यदि इनमें से कुछ बच रहता है तो साजिश के तहत बनने वाली सरकारों के फैसले लोकतंत्र का गला घोंटने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। यदि ऐसा नहीं है तो फिर बतलाना होगा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को अचानक किस तरह से फांसी पर लटकाया गया था। पाकिस्तान के तब क्या हालात थे और किस तरह से एक चुने हुए व्यक्ति को देश का सबसे बड़ा अपराधी ठहरा सदा के लिए खामोश कर दिया गया। इससे आगे बढ़ें तो देखें कि किस तरह से पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सरकार को सेना प्रमुख ने अपने दम पर कब्जे में लिया और खुद राज करते नजर आए। यही नहीं जवाब तो यह भी घटना मांगती है कि आखिर भूतपूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र की सबसे बड़ी हिमायती बेनजीर भुट्टो को सरेआम हलाक कर दिया गया। घटनाएं और भी हैं जो लोकतंत्र की जड़ में मठा डालने वाली साबित होती हैं, लेकिन यहां बात हम पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से जुड़े पैंचीदा मामले की कर रहे हैं, जिसकी वजह से उनकी जान अब आफत में नजर आ रही है। वही इमरान जो पाकिस्तान के हीरो कहे जाते हैं और अपने जमाने के बेहतरीन क्रिकेटर और कप्तान होने के चलते दुनियाभर में उनके चाहने वाले और शुभचिंतक मौजूद हैं। एक वह वक्त था जबकि उनकी एक झलक पाने के लिए लोग क्रिकेट मैदान तक पहुंच जाते थे, लेकिन अब वो सियासी गलियारे के विवादित शख्स के रुप में पहचाने जा रहे हैं और मौजूदा समय में जेल में हैं। इससे पहले वो शादियां करने और तलाक के लिए भी चर्चा में रहे हैं। पारिवारिक मामलों को यदि छोड़ दिया जाए तो कह सकते हैं कि इमरान खेल के मैदान में ही नहीं बल्कि राजनीति के मैदान में भी सफलता के परचम लहरा चुके हैं और पाकिस्तान के शीर्ष प्रधानमंत्री पद को भी संभाल चुके हैं। लेकिन कहा जाता है कि कभी किसी ने अपना समय तो देख कर नहीं आया है, सो भविष्य में क्या होगा यह तो उन्हें भी नहीं मालूम था और आज जिस परेशानी ओर मुसीबत से वो गुजर रहे हैं, इसकी तो उन्हें भी भनक नहीं लगी होगी। वर्ना इसके बचाव और रास्ते बदलने के प्रयास तो उन्होंने जरुर ही किए होते। दरअसल पाकिस्तान की मौजूदा सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सियासी पार्टी पीटीआई यानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर प्रतिबंध लगाने का फैसला कर लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इस बात की जानकारी मुहैया करा दी है। जिसके बाद से पाकिस्तान में इमरान और उनकी पार्टी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं आम हो चली हैं। सूचना मंत्री तरार ने 15 जुलाई के दिन कहा कि उनकी सरकार पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने जा रही है। राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध लगाए जाने का कारण गिनाने की जगह उन्होंने दो-टूक कहा कि पाकिस्तान और पीटीआई एक साथ नहीं रह सकते हैं। यह सियासी पार्टी और इसकी सोच मुल्क के लिए खतरा बन गई हैं। यहां उन्होंने इल्जाम आयद करते हुए यह भी कह दिया कि इस पार्टी के लोग देशविरोधी कामों में शामिल हैं। मतलब साफ है कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार को अपनी ही जमात के लोग अब बर्दाश्त नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे लोगों को कोई कैसे समझा सकता है कि आखिर लोकतंत्र वो खूबसूरत व्यवस्था है, जिसमें हिंसा और खून-खराबे के बगैर ही सरकार को बदला जा सकता है। ऐसा करते हुए सिर्फ सरकार ही नहीं बदली जाती बल्कि देश की दशा और दिशा बदलने का काम भी बहुत ही शांति के साथ कर दिया जाता है। सोच बदलती है और कार्यप्रणाली में उसे लागू करते हुए अमली जामा पहना दिया जाता है। ऐसा करते हुए लोकतांत्रिक सरकारें कभी भी डर या भय का वातावरण देश में निर्मित नहीं करती हैं, बल्कि जो काम अदालतों का होता है वो उन्हें करने देती हैं और जो काम उनका होता है यानि कानून बनाने और देश की तरक्की के रास्ते खोलने सो वो ईमानदारी से करती हैं। पाकिस्तान में इस तस्वीर को उलट कर देखने की जरुरत है, क्योंकि यहां सत्ता पाना और सत्ता के रास्ते से अपने प्रतिद्वंदी को हटाना ही सब कुछ होता है। देश और आवाम की फिकर किसे होती कहना मुश्किल है। बहरहाल पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और पूर्व उपसभापति कासिम सूरी के खिलाफ भी आर्टिकल 6 लगाने का महत्वपूर्ण ऐलान कर दिया है। यदि यह सब सही साबित हो रहा है तो यकीन जानिए कि बहुत जल्द जुल्फीकार अली भुट्टा प्रसंग लोगों को एक बार फिर याद हो आएगा क्योंकि आर्टिकल 6 के तहत मामला साबित होने पर मौत की सजा का प्रावधान भी है। जिंदगीभर चुनाव नहीं लड़ पाने का संकट कोई बड़ा संकट नहीं माना जा सकता है, क्योंकि नेता मार्गदर्शक बन पार्टी को आगे बढ़ाते हुए अपने ही लोगों के जरिए अपनी नीतियों के तहत देश चलाने में सक्षम होता है। बात सिर्फ इतनी सी है कि जननेता को सच्चा समाजसेवक होना चाहिए, तभी वह देश और आवाम का भला कर सकता है। पाकिस्तान में तो जिसे देखिए वही अपना खुद का भला करने में लगा हुआ नजर आता है। सत्ता में रहते हुए आरोप लगना आम बात है, लेकिन अपराधी ठहराए जाना और फिर विदेशों में अपने बचे हुए दिनों को काटना या उस वक्त का इंतजार करना जिसमें कि वो वापसी कर फिर सत्ता में काबिज हो सकें। इसके भी पाकिस्तान में कम उदाहरण नहीं हैं। पाकिस्तान की मौजूदा सरकार अपने फैसले को सही साबित करने के लिए इतना तो कहती दिखती है कि पीटीआई पर कार्रवाई के लिए विश्वसनीय सबूत मौजूद हैं। तरार बताते हैं कि विदेशी फंडिंग मामले, 9 मई को हुए दंगे, सिफर प्रकरण और अमेरिका में पारित प्रस्ताव को देखते हुए यह सरकार मानती है कि पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के लिए ये सबूत ही काफी और विश्वसनीय हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पाकिस्तान की सरकार अपने ही सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती दे रही है, जिसमें पीटीआई को एक राजनीतिक दल के रुप में कार्य करने की इजाजत दी गई है। इसके जवाब में सूचना मंत्री तरार का कहना था कि शहबाज सरकार ऐसे फैसले के खिलाफ पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के सामने एक समीक्षा याचिका भी दायर करेगी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि इमरान खान की पार्टी राष्ट्रीय विधायिका में 20 से अधिक अतिरिक्त आरक्षित सीटों के लिए पात्र है। इस फैसले के बाद पाकिस्तान की गठबंधन सरकार पर सदन के भीतर दबाव बढ़ा, संभवतः अब वह दबाव और बर्दाश्त करने के लायक नहीं बची है। इसलिए इस फैसले को भी सरकार चुनौती देने की बात कह रही है। इस तरह के तमाम सवाल पाकिस्तानी मीडिया से छन-छन कर दुनियां के सामने आ रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि कुछ तो देश में अचानक और अचंभित करने जैसा होने जा रहा है। अप्रत्याशित कुछ भी नहीं, लेकिन वह कैसे और कब होगा यह खास मायने अब रखता है। अंततः पूर्व प्रधानमंत्री 71 वर्षीय इमरान खान के बारे में थोड़ा बतलाते चलें कि वो पाकिस्तान ही नहीं दुनियां के लोकप्रिय क्रिकेटर रहे हैं। उनकी शानदार कप्तानी में पाकिस्तान ने 1992 में एकदिवसीय वर्ल्डकप जीत दुनियां के खेल जगत में देश का नाम रोशन कर दिया था। खेल के मैदान में सफलता के झंडे गाड़ने के बाद इमरान राजनीति में कदम रखते हैं और 1996 में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का गठन कर जाते हैं। इसके साथ ही जनता का सहयोग मिलता है और अपने मंसूबों को अमली जामा पहनाने के लिए इमरान 1996 से 2023 तक पीटीआई के अध्यक्ष रहते हैं। अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक इमरान पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में भी काम करते हुए एक इतिहास रचने जैसा काम कर चुके हैं। यहां साल 2022 में वो पीएम पद से हटते हैं, जिसके बाद उनकी मुश्किलें बढ़ना शुरू हो जाती हैं। उन पर दना-दन कई मामले दर्ज हो जाते हैं और उनको गिरफ्तार कर जेल भेजने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाती है। बहरहाल इमरान खान जो फिलहाल जेल में हैं के खिलाफ सरकार ने अंतिम कदम उठाने जैसी घोषणा करके सभी का ध्यान एक बार फिर इमरान की तरफ मोड़ दिया है। देखना होगा कि पाकिस्तान में इतिहास दोहराया जाता है या फिर कोई बीच का रास्ता निकाल लिया जाता है, क्योंकि दुनियां की नजरें इस वक्त पाकिस्तान के सियासी हालात पर यूं ही नहीं टिकी हुई हैं। यदि ऐसा कुछ होता है तो फिर पाकिस्तान एक बार फिर हिंसा और मार-काट के दौर से गुजरता हुआ दिखेगा। इसका फायदा सौ फीसद आतंकवादी अपने मंसूबों को अमली जामा पहना कर उठाएंगे ही उठाएंगे। यही नहीं पाकिस्तान से अलग होने का राग अलापने वाले संगठन और उनके समर्थक भी इस माहौल का भरपूर फायदा उठाते हुए बगावती तेवर दिखाएंगे। पाकिस्तान से अलग होने के लिए एक टांग पर खड़े बलूच और उनके समर्थक जोड़-तोड़ कर कुछ ऐसा करने की फिराक में होंगे, जिससे बांगलादेश की तरह उन्हें भी आजादी हासिल हो जाए। ऐसे में हाल ही में अफगानिस्तान से पंगा ले चुके पाकिस्तान को सीमापार से चुनौतियां मिलेंगी ही मिलेंगी। इन तमाम परेशानियों और झंझावातों से यदि लड़ने की छमता सरकार में है, तो वह अपने फैसले पर अडिग रह सकती है, वर्ना शतरंज की बाजी की तरह अपने बढ़ाए हुए गलत समय में गलत मोहरों को वापस अपने घर लाना ही समझदारी है।

शब्द पहेली - 8191

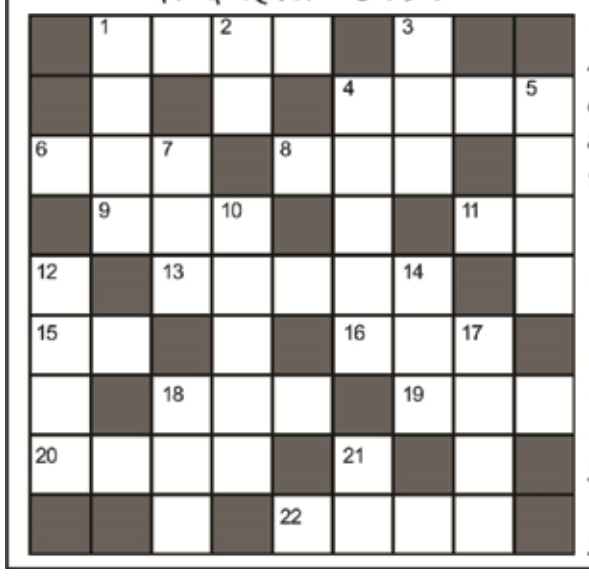

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर,कृपाण-4
4. उपद्रवी,आतंकी-4
6. अनुबंध,संधि-3
8. धोखा,छल,मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा,कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा,विशाल-3
4. अपनत्व,अपनापा-5
5. अनबन,झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात,सहसा-4
14. दृष्टि,निगाह-3
17. बेमिसाल,अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -8190 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7129

मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7128 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

विद्यार्थियों को सही करियर ऑप्शन चुनने में मदद करता है करियर काउंसलर

जब करियर बनाने की बात आती है, तो आज भी पेरेंट्स और स्टूडेंट्स कुछ सीमित विकल्पों के बारे में ही सोचते हैं, जबकि हकीकत यह है कि आज करियर के हजारों नए ऑप्शंस हैं, जहां बेहतर भविष्य की संभावनाएं हैं। करियर काउंसलिंग से आपको उन नई संभावनाओं के बारे में पता चलता है। अगर यह पता चल जाए कि आपकी क्षमता व योग्यता क्या है और उसके अनुसार कोई सुझाव दे कि आपको क्या करना चाहिए, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

यह मानकर चलें कि आप सभी करियर विकल्पों के बारे में नहीं जान सकते। ऐसे कई करियर फील्ड हैं, जिनके बारे में आपको जानकारी भी नहीं होगी, लेकिन उस फील्ड में आपमें बेहतर परफॉर्म करने की क्षमता होती है।

काउंसलिंग के जरिए आपको यह भी पता चलता है। हां, करियर काउंसलर का चयन करते समय आपको काफी सतर्क रहना होगा। करियर काउंसलिंग उन्हीं से कराएं, जो अपने क्षेत्र के एक्सपर्ट हों और प्रतिष्ठित हों। करियर के बारे में जानकारी तो बहुत-से लोग दे सकते हैं, लेकिन आपकी क्षमताओं व योग्यताओं के आधार पर एक बेहतर करियर, करियर काउंसलर ही सजेस्ट कर सकता है।

कुल मिलाकर, अगर आप खुद करियर नहीं चुन पा रहे हैं, तो किसी करियर काउंसलर की मदद लेना आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है, ताकि आपको आपकी क्षमता व योग्यता के मुताबिक करियर मिल सके। समय बर्बाद करने से कोई फायदा नहीं है। सही समय पर लिया गया सही निर्णय आपको न सिर्फ एक अच्छा भविष्य दे सकता है, बल्कि आपका काफी समय और पैसा भी बचा सकता है। करियर काउंसलिंग से आप ये लाभ पा सकते हैं

टारगेट पर पकड़

विद्यार्थियों की वास्तविक क्षमता पता लगाने के लिए काउंसलिंग जरूरी है। कुछ विद्यार्थी तो अपने करियर को सही चुनते हैं मगर कुछ ऐसे भी होते हैं, जो या तो कंफ्यूज्ड रहते हैं या फिर उनके पास कोई आइडिया नहीं होता है कि क्या करें। करियर काउंसलर के माध्यम से रेगुलर एप्टिट्यूड टेस्ट व काउंसलिंग सेशन से विद्यार्थियों को सही करियर ऑप्शन चुनने में मदद मिलती है। इससे वे अपने टारगेट पर शुरूआत से ही अच्छी पकड़ बना सकते हैं और इस प्रकार टारगेट हिट करना आसान हो जाता है।

शंकाएं दूर

विद्यार्थियों को अपनी शंकाएं दूर करने का मौका मिलता है। उनके करियर से जुड़े जो भी सवाल होते हैं, उन्हें वे करियर काउंसलर से पूछ सकते हैं। खास तौर पर उन विद्यार्थियों को इस सिलसिले में ज्यादा मदद की जरूरत होती है, जो किसी और के कहने पर करियर चुनते हैं। आप जितने अधिक लोगों से पूछेंगे, उतना आप कंफ्यूज होंगे। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप करियर काउंसलर की ही मदद लें।

सोच सकारात्मक

विद्यार्थियों को काउंसलिंग के माध्यम से सहायता और प्रेरणा मिलती है। इससे उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है और वे अपने

करियर लक्ष्य को पाने का प्रयास करते हैं।

कुछ विद्यार्थियों में काफी निगेटिविटी होती है। ऐसे विद्यार्थियों में मोटिवेशन से काफी आत्मविश्वास विकसित होता है। साथ ही सकारात्मक सोच भी आती है। जीवन में कुछ भी हासिल करने के लिए सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है।

पैसे व समय की बचत

काउंसलिंग से आपका बहुत-सा पैसा और समय भी बच जाता है। अगर आप अपनी क्षमता के विपरीत जाएंगे या बेमन से कोई करियर चुनेंगे, तो हो सकता है आप किसी ऐसे करियर को पाने में पैसा लगा दें, जिसमें आपका मन नहीं था। ऐसा करने से आपका समय व पैसा दोनों बर्बाद होता है।

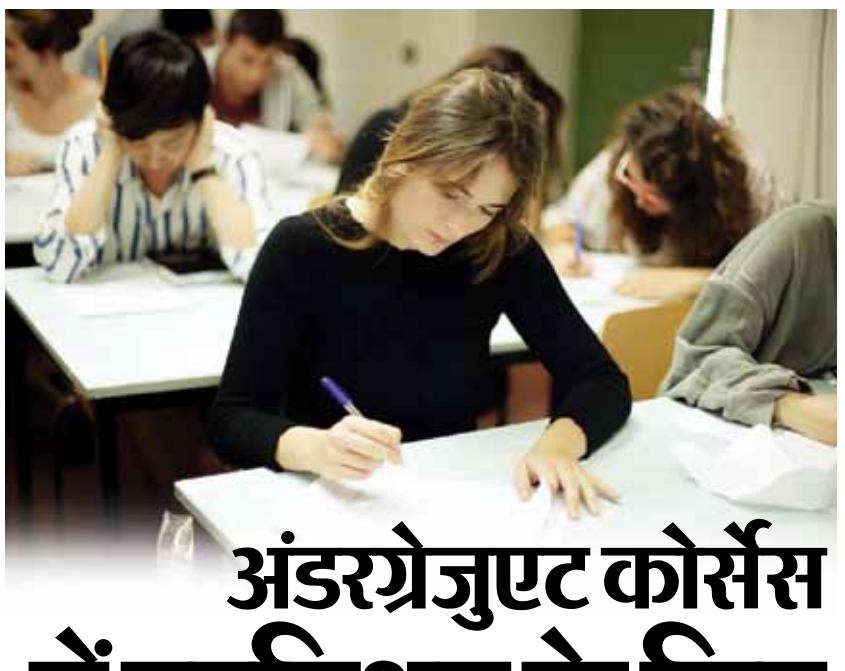

अंडरग्रेजुएट कोर्सेस में एडमिशन के लिए होता है सैट एग्जाम

अंडरग्रेजुएट कोर्सेस में एडमिशन के लिए सैट टेस्ट का आयोजन किया जाता है। इस एग्जाम के सिलेबस में ज्यादातर वहीं मैटेरियल शामिल होता है। जो छात्रों ने स्कूल लेवल पर पढ़ा होता है। इस एग्जाम में दो तरह की परीक्षा का आयोजन किया जाता है। एक सब्जेक्ट लेवल पर होता है और एक जनरल टेस्ट होता है।

सब्जेक्ट टेस्ट में एक सब्जेक्ट पर छात्र की पकड़ को परखा जाता है। तो वहीं सैट जनरल टेस्ट कोई भी दे सकता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस टेस्ट के पूरे एग्जाम सिलेबस के बारे में बताने जा रहे हैं। सैट जनरल टेस्ट आवेदकों के बीच में ज्यादा लोकप्रिय है। साथ ही यह भी जानेंगे कि इस एग्जाम की तैयारी कैसे करें और इसका सिलेबस क्या है। बता दें कि इस एग्जाम में तीन सेक्शन होते हैं, जिसमें पहला पढ़ना-लिखना है और अन्य दो गणित और निबंध होते हैं।

रीडिंग टेस्ट

- इस सेक्शन में कुल 5 पैसेज होते हैं और करीब इन पैसेज से करीब 50-55 मल्टीपल चॉइस वाले सवाल पूछे जाते हैं।
- इन सभी सवालों के जवाब देने के लिए करीब 65 मिनट का समय दिया जाता है।
- जिसमें इतिहास, सामाजिक विज्ञान और साइंस से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं।
- वहीं स्टूडेंट्स की जानकारी को परखने के लिए टेबल, चार्ट, ग्राफ आदि से जुड़े कुछ सवाल भी पूछे जाते हैं।
- यूएस फाउंडिंग डॉक्यूमेंट्स और ग्रेट ग्लोबल कनवर्जन से जुड़े सवाल भी छात्रों से पूछे जाते हैं।
- इसके साथ ही दो पैसेज साइंस से जुड़े पूछे जाते हैं।
- स्टूडेंट्स को यह पैसेज पढ़ने के बाद बोलकर इनके जवाब देने होते हैं।

सैट राइटिंग और लैंगवेज टेस्ट

- इस सेक्शन को पूरा करने के लिए 35 मिनट का समय दिया जाता है। इसमें 4 पैसेज होते हैं और करीब 44 सवाल पूछे जाते हैं।
- इस सेक्शन में विज्ञान, इतिहास, कॅरियर और मानविकी विषय से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं।
- इसमें सवालों की संख्या प्रकृति व्याख्यात्मक, तर्क और जानकारी पर आधारित होते हैं।
- स्टैंडर्ड इंगलिश की बातचीत वाले पैसेज में भाषा व ग्रामर की गलती सुधारनी होती है।

सैट गणित टेस्ट

- इस सेक्शन को सॉल्व करने के लिए छात्रों को 80 मिनट का समय दिया जाता है।
- इसमें कुल 58 सवाल होते हैं और कुछ सब सेक्शन के भी सवाल शामिल होते हैं।
- इनको सॉल्व करने के लिए 25 मिनट के भाग में कैलकुलेटर के इस्तेमाल की इजाजत नहीं होती है।
- वहीं 55 मिनट के सेशन में कैलकुलेटर का इस्तेमाल किया जा सकता है।

गणित के कई टॉपिक पर पूछे जाते हैं सवाल

- गणित के कई टॉपिक जैसे रेखीय समीकरण रेखांकन, कोण, चाप की लंबाई, लिनियर फंक्शन वर्ड प्रोब्लम, गैर रेखीय अभिव्यक्तियों की व्याख्या करना, द्विघात और घातीय शब्द परेशानियों को हल करना, ग्राफ की मुख्य बातें, डेटा निष्कर्ष, वितरण का केंद्र, प्रसार और आकार, रैखिक समीकरणों और रैखिक असमानताओं को हल करना, बहुपद कारक और रेखांकन, यूनिट, परसेंट, जटिल आंकड़े, टेबल डेटा, डेटा संग्रह और निष्कर्ष, राइट ट्रायंगल ज्यामीतिय, वृत्त-समीकरण, गैर-रेखीय समीकरण रेखांकन, रैखिक कार्यों की व्याख्या करना, स्ट्रक्चर इन एक्सप्रेशन, वॉल्यूम वर्ड प्रोब्लम, राइट ट्रायंगल वर्ड प्रोब्लम और प्रमेय आदि शामिल हैं।

सैट निबंध टेस्ट का सिलेबस

- यह ऑप्शनल होता है लेकिन बहुत सारी यूनिवर्सिटी में प्रवेश पाने के लिए भी इसे मांगा जाता है। अगर आप भी इस सेक्शन में भाग लेना चाहते हैं, तो आपको एक्स्ट्रा फीस देनी होगी।
- इस सेक्शन में स्टूडेंट्स को 50 मिनट के अंदर एक पैसेज पर निबंध लिखना होता है।
- सैट के अलग-अलग में निबंध भी लिखना होता है। इनमें निबंध लोगों के बड़े समूह को ध्यान में रखकर लिखा जाता है। इसके अलावा किसी बिंदू पर बहस होती है। वहीं छात्रों को अपनी बात को साबित करने के लिए उदाहरण और तर्क देने होते हैं।

सैट एग्जाम की ऐसे करें तैयारी

- सैट एग्जाम की तैयारी करने के लिए छात्रों को ग्रामर पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि टेस्ट के ज्यादातर हिस्से में ग्रामर से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं।

दिमागी कैलकुलेटर को दें मजबूती

- इस परीक्षा में एक सेक्शन ऐसा भी होता है। जहां पर आपको कैलकुलेटर की जगह दिमागी कैलकुलेटर की जरूरत होती है। इसलिए अपने दिमागी कैलकुलेटर को मजबूत करने की कोशिश करें।

अपनी कमजोरियों पर दें ध्यान

- जिस सेक्शन में आप कमजोर हैं, उस पर ज्यादा ध्यान दें। अपनी कमजोरियों को पहचान कर उस पर ध्यान दें।

बेस्ट स्टडी मैटेरियल

- सैट एग्जाम का स्टडी मैटेरियल को खोजें, आपको मार्केट में इस परीक्षा की तैयारी के लिए कई स्टडी मैटेरियल मिल जाएंगे। लेकिन पहले रिसर्च करें और फिर बेस्ट स्टडी मैटेरियल को खोजें।

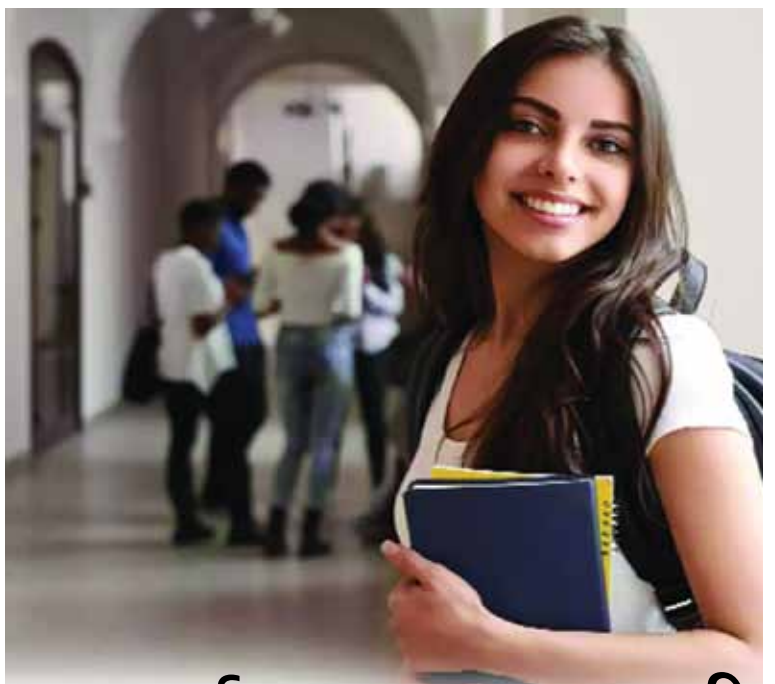

आईएएस एग्जाम की तैयारी से बनता है ऑल इंडिया आउटलुक

आज भी युवाओं में आईएएस का जबरदस्त क्रेज है। अगले कुछ ही दिनों में सिविल सेवा परीक्षा का काउंट डाउन शुरू हो जाएगा। इस परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं से गहन ज्ञान और सुस्पष्ट दृष्टि की अपेक्षा की जाती है। यह ज्ञान और दृष्टि उन लोगों के भी काम आती है, जो अंततः आईएएस में नहीं जाते। आत्मविश्वास के साथ कैसे बढ़ें मुकम्मल तैयारी की राह पर-

सिविल सर्विसेज एग्जाम की तैयारी में ऑल इंडिया अप्रोच दिखता है। पहली बार आप भारत को एक यूनिट के रूप में देखते हैं। इससे पहले आपको दस-पंद्रह किलोमीटर के अपने शहर के दायरे में ही दुनिया दिखाई देती होगी लेकिन जब आप आईएएस की तैयारी गंभीरता के साथ करते हैं, तो पूरे भारत की विविधताएं दिखाई देती हैं। हर राज्य की अपनी संस्कृति, अपनी स्टाइल दिखती है। इसके अलावा आप विश्व के नक्शे पर भारत की स्थिति के बारे में जानते-समझते हैं। यह जानते हैं कि दुनिया के देशों के साथ भारत के संबंध कैसे हैं। अखबार पढ़ते समय विभिन्न घटनाओं के समाज व देश से संबंध तथा भविष्य से उन्हें को-रिलेट करना समझते हैं। जीवन की एक समग्र दृष्टि मिल जाती है।

एक साल की तैयारी में ही आपको इस क्षेत्र के बारे में काफी जानकारी हो जाती है। जो इस परीक्षा में चुन लिए जाते हैं, वे तो अंततः भारत सरकार में सचिव पद तक पहुंचते ही हैं, जो इसमें सिलेक्ट नहीं होते, वे भी दूसरे क्षेत्रों में प्रतिष्ठित तरीके से आगे बढ़ते और अपनी पहचान बनाते हैं। सच तो यह है कि आईएएस परीक्षा की तैयारी से आपमें एक ऑल इंडिया आउटलुक विकसित होता है। आप थोड़ी-थोड़ी हर चीज के बारे में जानकारी हासिल करते हैं। इन सबके बीच अलग-अलग स्थितियों से रिलेट करना होता है। सच तो यह है कि इस तरह की पढ़ाई हर किसी को करनी चाहिए। जरूरी नहीं कि वह आईएएस की परीक्षा दे ही।

तैयारी का सही समय

अगर आप यह परीक्षा देने का इरादा रखते हैं, तो 11वीं से आपको इसकी तैयारी और वॉर्म-अप रीडिंग आरंभ कर देनी चाहिए। इसके बाद 3 साल तक आप ग्रेजुएशन करते हैं, उस दौरान साथ-साथ सिविल सर्विसेज एग्जाम की तैयारी भी करते रहें। कॉलेज-यूनिवर्सिटी एग्जाम की तैयारी करते हुए पढ़ाई कई बार एकरस हो जाती है। सिविल सर्विसेज एग्जाम की तैयारी से यह एकरसता खत्म हो सकती है।

कला है अखबार को पढ़ना

अखबार पढ़ना भी एक खास कौशल है, खासकर सिविल सेवा की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए। जो खबरें लिखी जाती हैं, उनका कुछ अलग प्रोटोकॉल होता है। यह जरूरी नहीं कि वे खबरें आपको शिक्षित कर रही हों। हर व्यक्ति अखबार इसलिए देखता है कि क्या उसके लिए कोई अच्छी या बुरी बात कल रात तक हुई डे-टु-डे सुविधा के लिए भी समाचार लिखे जाते हैं। ऐसे समाचारों की शेल्फ-लाइफ कुछ घंटे की होती है। जबकि विद्यार्थी की जरूरत अलग होती है। उसे किसी घटना की पृष्ठभूमि के बारे में भी पता होना चाहिए। 15-20 साल के परिप्रेक्ष्य में घटनाओं को देखना होता है। उसके लिए जरूरी है कि किसी समाचार को इस तरह पढ़ा जाए ताकि पता चले कि उससे भविष्य में लोगों का कितना भला या बुरा हो सकता है। खबरें भविष्य के लिए भी इशारा करती हैं। उन्हें इस नजरिए से पढ़ना एक कला है। अगर आप ठीक से अखबार पढ़ना सीख लें, तो आप आईएएस परीक्षा की 50 प्रतिशत तैयारी कर लेंगे।

आईएएस के लिए रुझान

बच्चे के रुझान के बारे में माता-पिता को जानना चाहिए। यह जरूरी है कि जिधर बच्चे का रुझान है, वे उसी तरफ आगे बढ़ने के लिए उसे प्रेरित करें। यह ध्यान रखना जरूरी है कि कुछ अलग करते हुए भी आईएएस की पढ़ाई की जा सकती है। अगर इंजीनियर बनना चाहते हैं, तो जरूर बनें मगर जीवन में प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में जानना जरूरी है। आप किसी भी दूसरी पढ़ाई के साथ सिविल सर्विस के बारे में सोच सकते हैं। सिविल सर्विसेज से हर किसी का सरोकार होता है।

खुद का करें आंकलन

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने का मन है, तो पहले एक साल तक तैयारी करें। फिर अपने को आंकें। पहला प्रयास एक साल की फोकस्ड और गंभीर तैयारी करके ही दें। इस तरह संभव है कि पहले ही प्रयास में आपका सिलेक्शन हो जाए। इससे पहले परोक्ष तैयारी तो ग्रेजुएशन के दौरान ही शुरू हो जानी चाहिए।

स्कोरिंग सब्जेक्ट

फिलहाल इस साल की मुख्य परीक्षा में एक वैकल्पिक सब्जेक्ट बना रहेगा। इस समय ज्योग्राफी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पोलिटिकल साइंस अपेक्षाकृत अधिक स्कोरिंग सब्जेक्ट माने जा रहे हैं। इनमें भी ज्योग्राफी और पोलिटिकल साइंस अधिक स्कोरिंग हो सकते हैं।

ईमानदारी से करें प्रयास

डरें नहीं और ईमानदारी से काम करें। जीवन को सकारात्मक तरीके से लें। इच्छाओं के विपरीत कुछ करना या चुनना पड़े, तो उसमें भी रुचि लें और अपने श्रेष्ठ करने की कोशिश करें।

युवराज, हरभजन , गुरकीरत और रैना पर विकलांग लोगों का मजाक उड़ाने के आरोप

एनसीपीईडीपी ने पुलिस में दर्ज करायी शिकायत

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटरों हरभजन सिंह, सुरेश रैना, युवराज सिंह और गुरकीरत मान पर विकलांग लोगों का मजाक उड़ाने के आरोप लगाते हुए एक शिकायत पुलिस में दर्ज करायी गयी है। ये शिकायत नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसेबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) के कार्यकारी निदेशक अरमान अली ने पुलिस स्टेशन में दी। इन क्रिकेटरों के अलावा मेटा इंडिया की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संध्या देवनाथन के खिलाफ भी शिकायत की गई है।

विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स फाइनल में इंडिया चैंपियंस की पाकिस्तान चैंपियंस पर जीत के बाद इन पूर्व क्रिकेटरों ने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में युवराज , हरभजन और रैना लंगड़ाते और अपनी पीठ पकड़कर मैच के दौरान अपने शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभाव को दिखाते नजर आ रहे हैं। साथ ही लिखा था कि पिछले 15 दिनों के टूर्नामेंट में शरीर की तौबा तौबा हो गई और हर हिस्सा दर्द में है। साथ ही कहा का कि ऐसा लगा जैसे विकी कौशल से हमारा मुकाबला हो। अब इसी वीडियो पर विकलांग कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जतायी है। उन्होंने इसे पूरी तरह से अपमानजनक बताया है। अरमान ने शिकायत में कहा कि यह विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम का भी उल्लंघन करता है। उन्होंने अधिकारियों से इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल जरुरी कार्रवाई करने का आग्रह किया और सार्वजनिक हस्तियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर जोर दिया। शिकायत दर्ज कराने के बाद अली ने कहा कि इन क्रिकेटरों की ओर से साधारण माफी से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उनके कृत्य के लिए दंडित किया जाना चाहिए।

वहीं इसको लेकर हरभजन ने माफी मांगते हुए लिखा, हम किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। हम हर व्यक्ति और समुदाय का सम्मान करते हैं और यह वीडियो 15 दिनों तक क्रिकेट खेलने के बाद हमारे शरीर को प्रतिबिंबित करने के लिए था। हम किसी का अपमान या अपमान करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं अगर फिर भी किसी को ऐसा लगे तो हम माफी चाहते हैं।

बायजू को झटका , बीसीसीआई की अपील पर एनसीएलटी ने दिवालिया प्रक्रिया शुरू की

कंपनी की संपत्तियों को बेचकर कर्ज लौटाया जाएगा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) की प्रयोजक रही एडुटेक कंपनी बायजू अब दिवालिया हो गयी है। ऐसे में राष्ट्रीय कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी के वर्तमान प्रबंधन को भंग करते हुए ही दिवालिया समाधान प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर कंपनी ने अब भी बीसीसीआई के साथ अपने विवाद को अदालत के बाहर सुलझाने का अवसर देने की अपील की है।

कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि हम बीसीसीआई के सहयोग से 'आउट ऑफ कोर्ट' सेटलमेंट का प्रयास कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई ने 8 सितंबर, 2023 को एक याचिका दायर कर बायजू के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की अपील की थी। तब बीसीसीआई ने कहा था कि कंपनी ने उसका 158 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। इसी याचिका को स्वीकार करते हुए एनसीएलटी ने कहा कि कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू नहीं किये जाने का कोई आधार नहीं बनता है। करने का कोई ग्राउंड दिखाई नहीं देता है.

इसी के तहत ही एनसीएलटी ने बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न को बड़ा झटका देते हुए उसके खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू कर दी है। ट्रिब्यूनल ने वर्तमान प्रबंधन को भंग कर पंकज श्रीवास्तव को अंतरिम रिज्योलूशन पेशेवर बनाया है। साथ ही कंपनी के कर्जदाताओं को शीघ्र ही कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स बनाने को कहा है और तब तक इसकी कमान पंकज श्रीवास्तव के हाथ रहेगी। एनसीएलटी ने कहा है कि पंकज कमेटी बनने तक कंपनी को संभालेंगे। ट्रिब्यूनल ने बायजू के सभी मामलों को एकसाथ रखने और भी कर्जदाताओं की कमेटी बनाने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद कंपनी के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू हो जाएगी। अब कंपनी की संपत्तियों का मूल्य निर्धारित किया जाएगा और उसे बेचकर कर्जदाताओं को पैसे लौटाये जाएंगे।

एनसीएलटी ने साथ ही आदेश दिया कि दिवालिया प्रक्रिया पूरी होने तक बायजू अपनी किसी भी संपत्ति का कोई लेनदेन नहीं कर सकती है। कंपनी के प्रबंधन की कमान भी क्रेडिटर्स की कमेटी को सौंप दी जाएगी।

गंभीर के मुख्य कोच बनने से भारतीय टीम और बेहतर होगी : स्टेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि गौतम गंभीर का मुख्य कोच बननाभारतीय क्रिकेट टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। स्टेन के अनुसार गंभीर के आक्रामक रवैये से खिलाड़ी भी बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित होंगे। स्टेन ने कहा, मैं गंभीर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनकी आक्रामकता बहुत पसंद है। वह उन कुछ भारतीयों में से एक हैं जिनके खिलाफ मैंने खेला है और जो आगे बढ़कर जवाबी हमला करते हैं, और मुझे यही रवैया पसंद है। मुझे लगता है कि वह विराट कोहली सहित अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में इसी रवैये को लेकर जाएंगे।

उन्होंने कहा, भारत के अलावा विश्व क्रिकेट में हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो ज़्यादा आक्रामक हों और विरोधी टीम के लिए खेल को थोड़ा ज़्यादा कठिनल बनाये। हम सभी लीग में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, और हम काफी मिलनसार और दोस्त बन जाते हैं। मुझे यह पसंद है कि वह मैदान पर तो बहुत आक्रामक हैं पर मैदान के बाहर बेहद अच्छे व्यक्ति हैं। वह एक समझदार, बहुत ही चतुर क्रिकेटर हैं और उनके पास बहुत ही अच्छा क्रिकेट दिमाग है। इसलिए मुझे लगता है कि इस रवैये से वह कोच के तौर पर और भी सफल होंगे।

स्टेन के अलावा पूर्व क्रिकेटर जैक कालिस भी गंभीर की आक्रामक प्रकृति से प्रभावित हैं। कैलिस ने कहा, गंभीर को कोचिंग के क्षेत्र में आते देखना बहुत अच्छा है। उनके पास क्रिकेट के बारे में बहुत अच्छी समझ है। वह कुछ जोश भरेंगे और आक्रामक तरीके से खेलना पसंद करते हैं। मुझे लगता है कि वह खेल में कुछ नयापन लाएंगे और खिलाड़ी उनसे बहुत कुछ सीखेंगे। उनके पास जोड़ने के लिए बहुत कुछ है और वह भारतीय टीम में अहम योगदान देंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, हमारे खिलाफ ज्यादा नहीं, लेकिन मुझे भरोसा है कि वह शानदार प्रदर्शन करेंगे।

पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार हैं अमित पंघाल

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं , उनसे पदक की उम्मीदें देश को रहेंगी। पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली। पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

मसूद को तीनों प्रारुपों में कप्तान बनायें : सलमान बट

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलमान बट ने कहा है कि शान मसूद को टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों के मैचों की कप्तानी भी दे देनी चाहिये। अभी बाबर आजम एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान हैं। बट ने कहा है कि जिस प्रकार से टीम का प्रदर्शन एकदिवसीय विश्वकप में खराब रहा है। उसके बाद टीम की कप्तानी में बदलाव जरुरी है। बट ने कप्तानी के लिए शाहीन शाह अफरीदी, विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और पूर्व टी20 उप-कप्तान शादाब खान का नाम नहीं लेते हुए मसूद को ही बेहतर विकल्प बताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वर्तमान टीम को आगे ले जोन में पूरी तरह से असफल रहा है।

बट ने कहा, कुछ ऐसा है जिसके कारण कौशल होने के बाद भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कोई ऐसा है जिसके पास योजना बनाने की कोई रणनीति नहीं है। इसलिए मेरा मानना है कि मसूद को कप्तान बनाया जाना चाहिये। मसूद को बाबर आजम के 2023 एकदिवसीय विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद टेस्ट का कप्तान बनाया गया था।

शान काउंटी चैंपियनशिप में यॉर्कशायर और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स के कप्तान भी हैं। बाबर ने एकदिवसीय विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद सभी प्रारूपों में पाकिस्तान की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शाहीन अफरीदी ने कुछ समय के लिए टी20आई टीम की कप्तानी की पर न्यूजीलैंड में सीरीज हारने के बाद उन्हें हटा दिया गया। मोहसिन नकवी ने पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद बाबर को फिर से सीमित ओवरों के प्रारुप में कप्तान बनाया था पर टी20 विश्वकप में टीम के खराब पदर्शन के बाद उनकी कप्तानी पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में बाबर को कप्तानी से हटाने की मांग हो रही है।

व्यापार

आरबीआई ने बदले बैंक धोखाधड़ी के नियम

किसी खाते को धोखाधड़ी की श्रेणी में डालने से पहले कर्जदारों की सुनना पड़ेगी बात

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर सुप्रीम कोर्ट की सिफारिशों को शामिल करने के लिए बेसिक गाइडलाइंस में संशोधन किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में बैंकों से खाते को धोखाधड़ी की श्रेणी में डालने से पहले कर्जदारों की बात सुनने को कहा था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर 3 संशोधित मूल दिशा-निर्देश सिद्धांत-आधारित हैं। ये पूरी संचालन व्यवस्था और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन की निगरानी में निदेशक मंडल की भूमिका को मजबूत करते हैं। आरबीआई ने बयान में कहा कि मूल निर्देशों में अब स्पष्ट रूप से जरूरी है कि केंद्रीय बैंक के दायरे में आने वाली इकाइयां उच्चतम न्यायालय के 27 मार्च, 2023 के फैसले को ध्यान में रखते हुए व्यक्तियों या संस्थाओं के खातों को धोखाधड़ी की श्रेणी में रखने से पहले समयबद्ध तरीके से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन सुनिश्चित करें। आरबीआई ने कहा कि जिन व्यक्तियों या संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस दिया गया, उन्हें इस मामले में जवाब देने के लिए कम से कम 21 दिनों का उचित समय प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एसबीआई बनाम राजेश अग्रवाल मामले में मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने किसी खाते को धोखाधड़ी की श्रेणी में डालने से पहले कर्ज लेने वाले की बातों को सुने जाने के उसके अधिकारों की वकालत की। बयान के अनुसार प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के तहत कर्जदारों को नोटिस दिया जाना चाहिए, फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के निष्कर्षों को समझाने का अवसर दिया जाना चाहिए और उनके खाते को मास्टर निर्देशों के तहत धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले संबंधित बैंकों को उन्हें अपना पक्ष रखने की अनुमति दी जानी चाहिए।

ऑनर कंपनी ने लांच किए दो टैबलेट

दोनों में मिलती है 10,050 एमएएच की धाकड़ बैटरी

नईदिल्ली। जानी-मानी कंपनी ऑनर ने मैजिकपैड 2 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने टैबलेट ऑनर पैड 9 प्रो की भी पेशकश की है। दोनों टैबलेट मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं, जो एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड है और 13 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरे से लैस हैं।

लेटेस्ट मैजिकपैड 2 में स्नैपड्रैगन 8 एस जेन 3 चिपसेट मिलता है और इसमें ओलेड डिस्प्ले भी है, जबकि ऑनर पैड 9 प्रो मीडियाटेक डाइमेंशन 8100 एसओसी पर काम करता है और ये एक एलसीडी स्क्रीन स्पोर्ट के साथ आता है। ऑनर मैजिकपैड 2 और पैड 9 प्रो दोनों एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं। मैजिकपैड 2 में 12.3 इंच 1,920गुणा3,000-पिक्सेल ओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जबकि पैड 9 प्रो में 12.1-इंच 1,600गुणा2,560-पिक्सेल टीएफटी एलसीडी है। इनकी स्क्रीन की 144एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आती हैं।कंपनी ने मैजिकपैड 2 को स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट के साथ 16जीबी तक रैम और 1टीबी तक स्टोरेज से लैस किया है, जबकि हॉनर पेड 9 प्रो डाइमेंशन 8100 एसओसी के साथ 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक स्टोरेज से लैस है। कैमरे के तौर पर इन दोनों टैब में ऑटोफोकस और एफ/2.0 अपर्चर के साथ 13-मेगापिक्सल का प्राइमेरी रियर कैमरा दिया गया है।

ऑनर का कहना है कि दोनों टैब वायफाय 6 कनेक्टिविटी को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 ब्लूटूथ 5.3 और पैड 9 प्रो ब्लूटूथ 5.2 डिवाइस को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 को 35 वॉट (मैजिकपैड 2) और पैड 9 प्रो को 66 वॉट चार्जिंग स्पीड समर्थन के साथ 10,050 एमएएच की बैटरी दी जाती हैं। ऑनर मैजिकपैड का साइज़ 274.5गुणा180.5गुणा5.8एमएम और वजन 555 ग्राम है, जबकि पैड 9 प्रो का साइज़ 277गुणा178.95गुणा6.64एमएम और वजन 589 ग्राम है। मैजिकपैड 2 में 9-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा है, जबकि पैड 9 प्रो में 5-मेगापिक्सल का फ्रंट-फेसिंग कैमरा है। इन दोनों में एक फिक्स्ड-फोकस लेंस है, और एफ/2.2 अपर्चर है।

वनप्लस 12आर नए सनसेट ड्यून कलर ऑप्शन में पेश

नई दिल्ली। भारत में वनप्लस 12आर को नए सनसेट ड्यून कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। हैंडसेट स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 चिपसेट, 6.78 इंच की अमोलेड डिस्प्ले और 5,500एमएएच की बैटरी के साथ आता है।वनप्लस 12आर सनसेट ड्यून कलर 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट में उपलब्ध होगा और इसकी कीमत 42,999 रुपये रखी गई है।

ग्राहक इसे 20 जुलाई से अमेजन और वनप्लस की वेबसाइट से खरीद सकेंगे। आईसीआईसीआई बैंक और वनकार्ड क्रेडिट कार्ड ईएमआई ट्रांजैक्शन पर 3,000 रुपये का इंस्टैंट डिस्काउंट ग्राहकों को मिलेगा। इसके अलावा 5,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस भी मिलेगा। कंपनी वनप्लस 12आर सनसेट ड्यून कलर के साथ वनप्लस बड्स 3 मुफ्त दे रही है। ग्राहक 9 महीने तक नो-कॉस्ट ईएमआई का भी फायदा उठा सकते हैं।

वनप्लस 12आर में 6.78 इंच का अमोलेड डिस्प्ले है जिसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 2780 गुणा 1264 रेजोल्यूशन, डॉल्बी विजन, एचडीआर 10प्लस, 4500 निट्स पीक ब्राइटनेस और गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 प्रोटेक्शन मौजूद है। हैंडसेट में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन8 जेन 2 दिया गया है, जिसे ग्राफिक्स के लिए अड्रेनो जीपीयू के साथ जोड़ा गया है। वनप्लस 12आरएंड्रॉयड 14-बेस्ड आक्सीजन ओएस कस्टम स्किन पर चलता है। हैंडसेट वाटर और डस्ट रेसिस्टेंस के लिए IP64 रेटिंग, स्टीरियो स्पीकर, डॉल्बी एटमॉस और एनएफसी से लैस है। वनप्लस 12आर में सोनी आईएमएक्स90 50एमपी प्राइमरी सेंसर, 112-डिग्री 8एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 2एमपी मैक्रो कैमरा है।

सेल्फी के लिए 16एमपी का फ्रंट कैमरा फोन में दिया गया है। वनप्लस 12आर में 100वॉट सुपरवॉक चार्जिंग के साथ 5,500 एमएएच की बैटरी है। वनप्लस 12आर का मुकाबला आईक्यूओ नीयो 9 प्रो, रियलमी जीटी 6 और हाल ही में लॉन्च हुए ओप्पो रेनो 12 प्रो से है।ये फोन मौजूदा कूल ब्लू और आयरन ग्रे कलर ऑप्शन के साथ शामिल रहेगा। नए कलर ऑप्शन के अलावा, वनप्लस 12आर में वही स्पेसिफिकेशन्स, कीमत और डिजाइन बरकरार रहेंगे।

रुपया चार पैसे बढ़कर 83.57 डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.57 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि स्थानीय आयातकों की डॉलर मांग ने रुपये की तेजी को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.59 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त दर्शाता है।रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.61 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.33 पर रहा।

सोना-चांदी की कीमतों में तेजी

सोने का भाव 73,600, चांदी लगभग 92,850 रुपए

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में मंगलवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा गिरावट के साथ खुले। हालांकि बाद में भाव में तेजी देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव भी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 186 रुपये की तेजी के साथ 73,657 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 114 रुपये की तेजी के साथ 73,585 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 201 रुपये की तेजी के साथ 92,773 रुपये पर खुला। इस समय यह 298 रुपये की तेजी के साथ 92,870 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ने लगे। कॉमेक्स पर सोना 2427.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,428.90 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 6.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,435 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.93 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 30.93 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 31.07 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कल्कि 2898 एडी का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा

17वें दिन 139 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ कर डाली 14.35 कमाई

प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण जैसे बड़े स्टार्स से सजी कल्कि फिल्म के आगे कोई भी फिल्म अपना भौकाल कायम नहीं कर पा रही है. ऐसी उम्मीद थी कि कमल हासन की इंडियन 2 के आगे कल्कि अपने घुटने टेक देगी और इसके बाद फिल्म की कमाई में ज्यादा असर नहीं रह जाएगा. लेकिन अब कमल हासन का दाव उल्टा पड़ता नजर आ रहा है. इसकी वीकेंड में तो कमाई काफी अच्छी जा रही है. आइये जानते हैं कि 17 दिन में इस फिल्म ने कितना कलेक्शन कर लिया है. फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े की बात करें तो इसने रिलीज के पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया था. इसके बाद दूसरे हफ्ते में भी फिल्म ने अपने कलेक्शन को बरकरार रखा और अच्छी पेस के साथ 128.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया. आमतौर पर इसके बाद कई सारी फिल्में ऐसी होती हैं जिनकी सांसे फूलने लग जाती हैं और फिल्म का अच्छा कलेक्शन कर पाना मुश्किल होता चला जाता है. लेकिन इस फिल्म के साथ ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है. फिल्म का जादू देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में देखने को मिल रहा है. 16वें दिन फिल्म ने 6 करोड़ रुपये कमाए. ये इस फिल्म का किसी भी एक दिन का अब तक का सबसे कम कलेक्शन था. लेकिन इसके बाद फिल्म ने 17वें दिन फिर से अच्छी उछाल हासिल की. फिल्म की कमाई में 140 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला और 17वें दिन फिल्म ने 14.35 करोड़ रुपए इक_ा कर लिए. इस तरह से भारत में फिल्म का 17 दिन का कुल कलेक्शन 563.7 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. ये कलेक्शन तारीफ के काबिल है. इसके अलावा फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन भी 1000 करोड़ से ज्यादा का हो चुका है.

बैड न्यूज का नया गाना मेरे महबूब मेरे सनम गाना रिलीज

विक्की-तृप्ति-एमी ने जमाया रंग

फिल्म बैड न्यूज का ट्रेलर और पिछले रिलीज हुए गानों को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है. अब मेकर्स ने फिल्म का अगला गाना मेरे महबूब मेरे सनम रिलीज कर दिया गया है. इस गाने को सुनकर फैंस 90 का दशक के दौर में जा सकते हैं और इस गाने को रीमेक कर दिया गया है. जिसे शाहरुख खान, जूही चावला और सोनाली बेंद्रे पर फिल्माया गया था. फिल्म बैड न्यूज के इस गाने को रीमेक किया गया है लेकिन इसे गाया उदित नारायण और अल्का याग्निक ने ही है. फिल्म बैड न्यूज का ये रोमांटिक गाना सिनेमाघरों में सुना जाएगा तो काफी मजा आने वाला है. विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की इस फिल्म का इंतजार मूवी लवर्स को काफी समय से है और अब ये इंतजार बस कुछ दिनों में खत्म ही होने वाला है.

विक्की कौशल ने फिल्म बैड न्यूज के नया गाना मेरे महबूब मेरे सनम की झलक शेयर की है. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, महबूब वर्सेज सनम जस्ट गॉट रील. मेरे महबूब मेरे सनम गाना रिलीज हो गया. फिल्म इस शुक्रवार को सिनेमा में आ रही है. फिल्म बैड न्यूज का गाना मेरे महबूब मेरे सनम 90 का दशक के गाने का रीमेक है. इस गाने को ज्यादातर म्यूजिक पुराने गाने से रखा गया है जिसके म्यूजिक डायरेक्टर अनु मलिक ही थे. गाने का रीमेक म्यूजिक लिजो जॉर्ज-डीजे चेतस ने रखा है. गाने में जो शब्द जोड़े गए हैं उसे लिजो जॉर्ज ने लिखे हैं. आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म बैड न्यूज का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन हाउस में किया गया है. फिल्म में विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क, नेहा धूपिया और सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार नजर आएंगे. फिल्म बैड न्यूज 19 जुलाई यानी इसी आने वाले फ्राइडे को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. साल 1998 में आई महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म डुप्लीकेट में शाहरुख खान का डबल रोल होता है. एक गैंगस्टर का रोल प्ले करता है जो काफी खूंखार है तो दूसरा बबलू बावर्ची का रोल प्ले करता है जो काफी स्वीट है. फिल्म में शाहरुख खान के साथ जूही चावला और सोनाली बेंद्रे जैसी कलाकार नजर आई हैं.

बॉक्स ऑफिस पर 2 ही दिन में निकला सरफिरा का दम

10 करोड़ भी नहीं कमा पाई फिल्म

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई है. सरफिरा ने पहले दिन सिर्फ 2.5 करोड़ की कमाई की है. पिछले 15 साल में ये अक्षय कुमार के करियर की लोएस्ट ओपनिंग है. अब दूसरे दिन के कलेक्शन को लेकर भी कई खबरें सामने आ रही हैं. सरफिरा ने अक्षय के लिए सबसे कम बॉक्स ऑफिस कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया। सरफिरा को प्रिंट और विज्ञापन लागत सहित 100 करोड़ के बजट पेर बनाया गया है।हालांकि, यह अक्षय की अब तक की सबसे कम ओपनिंग लेने वाली फिल्म साबित हुई।सैकनिल्क के मुताबिक, सरफिरा ने पहले दिन 2.5 करोड़ और दूसरे दिन 4.25 करोड़ रुपये की कमाई की।फिल्म ने भारत में 2 दिन में महज 6.75 करोड़ रुपये और विदेश में 4 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म की कमाई में 70 प्रतिशत इजाफा हुआ है. अक्षय की सरफिरा के साथ कमल हासन की इंडियन 2 भी रिलीज हुई है. ये फिल्म 150 करोड़ के बजट में बनी है. इस फिल्म ने पहले दिन 25.6 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं रिपोर्ट्स हैं कि फिल्म ने दूसरे दिन 16.7 करोड़ का कलेक्शन किया है. बता दें कि अक्षय की पिछली कुछ रिलीज को भी अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है. उनकी बिग बजट फिल्म बड़े मियां छोटे मियां फ्लॉप हो गई. इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ अहम भी थे. वहीं अक्षय की मिशन रानीगंज, रक्षाबंधन, सम्राट पृथ्वीराज, बच्चन पांडे और सेल्फी भी फ्लॉप थी और राम सेतु एवरेज थी. 2022 से अक्षय कुमार ने सिर्फ एक सुपरहिट फिल्म दी है और उसका नाम है ओएमजी 2. इस फिल्म में अक्षय के अलावा पंकज त्रिपाठी अहम रोल में थे. फिल्म की कहानी पंकज त्रिपाठी और उनके बेटे के इर्द-गिर्द ही बुनी गई थी.

किसी ने भी नहीं सोचा था कि मैं 36 डेज में ग्रे किरदार निभाऊंगी: नेहा शर्मा

इल्लीगल, शाइनिंग विद द शर्मा जैसी वेब सीरीज के बाद एक्ट्रेस नेहा शर्मा इन दिनों 36 डेज को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज में वह फराह का किरदार निभा रही हैं। शो में अपनी कास्टिंग पर नेहा ने बात की। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि किसी ने भी सोचा था कि मैं एक ग्रे किरदार निभा सकती हूं, इसलिए जब मेकर्स ने 36 डेज के लिए मुझसे बात की, तो मैं एक्टसाइटेड हो उठी। मैंने ओरिजनल बीबीसी शो 35 डेज का थोड़ा सा हिस्सा देखा था, और यह बिल्कुल दिमाग घुमाने वाला था। उन्होंने कहा, "जब उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए चुना, तो मैं इसका हिस्सा बनने के लिए बेताब थी। इस प्रोजेक्ट में शामिल होने का मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि इस शो को लेकर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उम्मीद करती हूं कि वे इसका आनंद लेंगे। शो में पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय साान्याल, अमृता खानविलकर, शारिब हाशमी, सुशांत दिवगिकर, शेरनाज पटेल, फैजल राशिद, चाहत विग और केनेथ देसाई अहम रोल में हैं। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित, 36 डेज यूके शो 35 डेज का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है। 36 डेज का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। सीरीज सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है। बता दें कि, नेहा क्रूक, यमला पगला दीवाना 2, यंगिस्तान, तुम बिन 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

शमा सिकंदर ने व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में शेयर की बोल्ड फोटो, अदाएं देख फैंस हुए दीवाने

एक्ट्रेस शमा सिकंदर अक्सर अपने लुक और ग्लैमरस अदाओं के चलते चर्चा में रहती हैं. वह अपनी एक्टिंग से ज्यादा अदाओं और बोल्डनेस को लेकर सुर्खियों बटोरती है. इसी राह में उन्होंने एक फोटो ऐसा शेयर किया है जिसपर फैंस की नजरें थमना तो बनती है. साथ ही फैंस का रिएक्शन भी जमकर सामने आ रहा है. चलिए शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटो दिखाते हैं. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया लुक शेयर किया है. शमा सिकंदर ने अपने इंस्टाग्राम पर ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए अपनी एक फोटो शेयर की है. इस फोटो में एक्ट्रेस व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं. ये लुक उनपर काफी जच रहा है. शमा सिकंदर के हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने बालों को पीछे की तरफ बांधा हुआ है. मेकअप की बात करें तो उन्होंने अपने लुक के लिए ग्लोसी मेकअप को चुना है. इस पूरे लुक को उन्होंने जिस तरह कैरी किया है वह कमाल है. उनका कॉन्फिडेंस चार नहीं चालीस चांद लगा रहा है. एक्ट्रेस की यह फोटो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है. फैंस उनके इस फोटो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं. 41 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने खुद को काफी फिट रखा है. अदाओं के मामले में तो वह किसी भी एक्ट्रेस को टक्कर दे सकती हैं. शमा ने टीवी से लेकर, बॉलीवुड और म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है. उन्हें सोनी टीवी के शो ये मेरी लाइफ है से लोकप्रियता हासिल मिली. वह बाल वीर और मैया: स्लेव ऑफ हर डिजायर्स सहित कई शो में काम कर चुकी हैं. वह कई फिल्मों का हिस्सा भी रह चुकी हैं, जिसमें प्रेम अगन, मन, ये मोहब्बत है, अंश द डेडली पार्ट, बस्ती, धूम धड़ाका, कॉन्ट्रैक्ट और बायपास रोड शामिल हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म द गोट लाइफ की ओटीटी रिलीज का एलान, 19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर होगी प्रीमियर

साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म आडुजीवितम: द गोट लाइफ मार्च में रिलीज हुई और तुरंत ही बॉक्स ऑफिस पर हिट हो गई। फिल्म को आलोचकों और फिल्म प्रेमियों से सकारात्मक समीक्षा मिली, जो अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई। अब तक, यह 2024 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म है। फिल्म ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया और इसे हटाए जाने के तुरंत बाद फिल्म प्रेमी इसके ओटीटी पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं अब दर्शकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। आखिरकार अब उनके इंतजार खत्म होने का समय आ गया है, क्योंकि निर्माताओं ने आडुजीवितम: द गोट लाइफ की ओटीटी रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक एलान कर खुलासा किया है कि यह फिल्म इस महीने ओटीटी पर दस्तक देने आ रही है। मलयाली अप्रवासी मजदूर नजीब की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित यह सर्वाइवल ड्रामा 19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर के लिए तैयार है। यह फिल्म पांच क्षेत्रीय भाषाओं मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में उपलब्ध होगी। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज ने फिल्म का पोस्टर जारी किया। कैप्शन में लिखा गया, साहस, उम्मीद और अस्तित्व की कहानी। इधु नजीबिंते अथिजीवन कथा। आडुजीवितम 19 जुलाई को मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में नेटफ्लिक्स पर आ रही है। कहानी की बात करें तो यह फिल्म मलयाली अप्रवासी मजदूर नजीब पर आधारित है, जो उन हजारों भारतीयों में से एक है, जिन्हें सऊदी अरब में रेगिस्तान में एकांत खेतों में बकरी चराने के लिए मजबूर किया गया था। पृथ्वीराज के अलावा फिल्म में जिमी जीन-लुई और केआर गोकुल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को शुरू में यूएई के अलावा जीसीसी देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया था, बाद में कुवैत और सऊदी अरब को छोड़कर सभी देशों में प्रतिबंध हटा दिया गया था। फिल्म ने अब तक 160 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। द गोट लाइफ मलयालम साहित्यिक दुनिया के अब तक के सबसे लोकप्रिय बेस्टसेलर उपन्यास आडुजीवितम पर आधारित है, जिसका विदेशी सहित 12 विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है। मशहूर लेखक बेन्यामिन द्वारा लिखित यह एक युवक नजीब के जीवन की सच्ची कहानी है, जो 90 के दशक की शुरुआत में विदेश में भाग्य की तलाश में केरल के हरे-भरे तटों से पलायन करता है।

ओपनिंग डे के बाद इंडियन 2 की कमाई में गिरावट

कमल हासन की फिल्म ने कमाए इतने करोड़

कमल हासन की इंडियन 2 चर्चा में बनी हुई है. फिल्म को लेकर फैंस में बज दिख रहा है. पहले दिन फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया. 150 करोड़ के बजट में बनी इंडियन 2 ने ओपनिंग डे पर 25.6 करोड़ की कमाई की. खबरें हैं कि दूसरे दिन फिल्म ने कमाई तो ठीक की है पर पहले दिन के मुकाबले में गिरावट देखने को मिली है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन 18.2 करोड़ की कमाई की है. फिल्म के ग्रॉस कलेक्शन की बात करें तो कर्नाटक में फिल्म ने 2.35 करोड़, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में 3.9 करोड़, तमिल नाडु में 12.1, केरल में 1.05 और बाकी भारत में 1.7 करोड़ की कमाई की है. फिल्म का दूसरे दिन का टोटल ग्रॉस कलेक्शन 21.1 करोड़ है. तमिल नाडु में फिल्म क सबसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. बता दें कि फिल्म के दूसरे दिन की कमाई के आंकड़े अभी ऑफिशियली रिलीज नहीं हुए है. लेकिन अगर फिल्म दूसरे दिन 18.2 करोड़ की कमाई करती है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 43.8 करोड़ होगा. एस शंकर के निर्देशन में बनी इंडियन 2 1996 में कमल की ही फिल्म इंडियन का सीक्वल है। फिल्म में सिद्धार्थ और रकुल प्रीत सिंह भी अहम भूमिका में हैं।यह सीक्वल तमिल, हिंदी और तेलुगु में रिलीज किया गया है। बहरहाल, फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन इसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों से ही सकारात्मक समीक्षा नहीं मिल रही है।ज्यादातर लोगों का मानना है कि फिल्म की कहानी में दम नहीं है।